कोटद्वार, गुरूवार
31 जुलाई 2025
वर्षः 47
अंकः 91 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

जन समस्याओं का समाधान राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकता : धामी

मुख्यमंत्री करेंगे लोकसभा क्षेत्र की विधानसभा वार योजनाओं की प्रत्येक तीन माह में समीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : विधायकगणों द्वारा उठाई गई जन समस्याओं को अधिकारी पूरी गंभीरता से लें। विधानसभा क्षेत्रों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारी विधायकगणों के साथ निरंतर संवाद करें। राज्य की सभी 70 विधानसभाओं के अंतर्गत की गई घोषणाओं और अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए शासन-प्रशासन और विधानसभा क्षेत्र के बीच सेतु की भूमिका में कार्य करने हेतु अपर सचिव स्तर के अधिकारियों को जिम्मेदारी दी जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सचिवालय में टिहरी लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली विधानसभाओं की मुख्यमंत्री घोषणाओं और अन्य कार्यों की समीक्षा के दौरान ये निर्देश अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली विधानसभा में गतिमान विभिन्न कार्यों की समीक्षा मुख्य सचिव स्तर पर भी की जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय सचिव भी विधानसभा क्षेत्रों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए अपने विभागों की नियमित समीक्षा करें। प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली विधानसभाओं की प्रत्येक तीन माह में समीक्षा मुख्यमंत्री स्वयं करेंगे। बैठक में विधायकगणों द्वारा अपनी विधानसभा से संबंधित जो जन समस्याएं रखी गई हैं, उन पर की गई कार्यवाही की जानकारी एक सप्ताह के भीतर संबंधित विधायकगणों एवं मुख्यमंत्री कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन समस्याओं का समाधान राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। यह सुनिश्चित किया जाए कि जनहित से जुड़े कार्यों में अनावश्यक विलंब न हो। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून के बाद सभी निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए। उन्होंने सभी विधायकगणों से कहा कि अपनी विधानसभा क्षेत्र में लघु, मध्य और दीर्घ अवधि में पूर्ण होने वाले कार्यों का प्रस्ताव भेजें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माणाधीन योजनाओं का नियमित अनुश्रवण किया जाए और समयबद्धता के साथ योजनाओं को पूर्ण किया जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि टिहरी लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा की गई 469 घोषणाओं में से 305 घोषणाएं पूर्ण हो चुकी हैं, शेष घोषणाओं पर कार्य गतिमान है।

एक नजर

सोनला में बस पलटी, 12 सैनिक घायल

चमोली : बुधवार को जोशीमठ से रायवाला जा रही सैनिकों से भरी बस बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोनला के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में सेना के 12 जवान घायल हो गए। इसके साथ ही बस कंडक्टर भी घायल हो गया। सभी घायलों को उपजिला अस्पताल कर्णप्रयाग में प्राथमिक उपचार दिया गया। चिकित्सकों के मुताबिक सैनिकों के हाथ, पैर और सिर पर चोट लगी है, सभी की स्थिति खतरे से बाहर है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के जवानों ने मौके पर जाकर घायल सैनिकों को स्थानीय लोगों की मदद से निजी और आपातकालीन वाहनों से उप जिला अस्पताल कर्णप्रयाग पहुंचाया। वाहन में 31 जवान बैठे थे। कर्णप्रयाग के एसडीएम सोहन सिंह रांगड़ ने बताया कि बुधवार सुबह 6 बजे बस जोशीमठ से रायवाला के लिए चली थी। इसी दौरान कर्णप्रयाग और नंदप्रयाग के बीच करीब सवा आठ बजे सोनला में बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। बस पलटते ही बस में बैठे सेना के जवानों ने अपने घायल साथियों को बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जवानों को स्थानीय लोगों की मदद से निजी एवं आपातकालीन वाहनों से कर्णप्रयाग अस्पताल भिजवाया। जिलाधिकारी डॉ. संदीप तिवारी ने बताया दुर्घटनाग्रस्त वाहन में असम रेजिमेंट के जवान सवार थे। घायलों का हाल जानने के लिए एसडीएम सोहन सिंह रांगड़ अस्पताल पहुंचे। वहीं, सेना के अफसरों ने भी कर्णप्रयाग अस्पताल में आकर घायलों की कुशलक्षेम पूछी। उपजिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. बीपी पुरोहित ने बताया कि कर्णप्रयाग अस्पताल में 12 घायल जवानों का उपचार करने के बाद भेज दिया गया है। (एजेंसी)

कुमाऊं के तीन जिलों में यैलो अलर्ट

हल्द्वानी। कुमाऊं में आज मौसम विभाग ने बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। इसमें कुमाऊं के तीन जिले नैनीताल, चम्पावत व बागेश्वर शामिल है। इन जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा होने का पूर्वानुमान है। बुधवार को हल्द्वानी में सुबह से मौसम में साफ रहा, लेकिन उमस का सिलसिला जारी था। दोपहर बाद आसमान में बादल छाने लगे। शाम साढ़े पांच बजे कुछ देर की शहर में लोगों को उमस से राहत मिल गई। इस दौरान हल्द्वानी का अधिकतम तापमान 29 व न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि विभाग ने 31 जुलाई को नैनीताल, चम्पावत और बागेश्वर जिले में बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है।

बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

हल्द्वानी। काठगोदाम थाना क्षेत्र निवासी एक बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक सुल्तानपुर काठगोदाम निवासी छह वर्षीय उमा आर्या पुत्री प्रमोद मंगलवार शाम घर पर ही थी। परिजनों के मुताबिक उमा ने घर में रखे किसी कीटनाशक का धोखे से सेवन कर लिया। जिस कारण उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन बच्ची को इलाज के लिए डॉ.सुशीला तिवारी अस्पताल लेकर आए, यहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। एसओ पंकज जोशी ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। बच्ची की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

सेब से भरी पिकअप नहर में समाई

हरिद्वार। हरिद्वार–नजीबाबाद मार्ग पर लाहड़पुर चेक पोस्ट से आगे पूर्वी गंगा नहर पटरी मार्ग पर सेब से भरी एक पिकअप अनियंत्रित होकर सीधे नहर में जा गिरी। पिकअप में सवार चालक और कंडक्टर ने कूदकर अपनी जान बचाई। पुलिस ने नहर का पानी रुकवाकर क्रेन की मदद से पिकअप को बाहर निकाला। देहरादून से लखनऊमंडी जा रही पिकअप बुधवार सुबह करीब चार बजे लाहड़पुर चेक पोस्ट से लगभग 400 मीटर आगे अचानक अनियंत्रित हो गई। वाहन में चालक करन सिंह (22 वर्ष) पुत्र राजेंद्र सिंह निवासी सब्जी मंडी, निरंजनपुर, देहरादून और कंडक्टर सन्नी (21 वर्ष) पुत्र प्रेम सिंह निवासी ब्राह्मणवाला, थाना पटेलनगर, देहरादून सवार थे।

आज खुलेगी 34000 उम्मीदवारों की किस्मत

देहरादून। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में राज्य निर्वाचन आयोग ने मतगणना के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। कुल 10,915 पदों के लिए मतगणना का कार्य आज सुबह आठ बजे से शुरू हो जाएगा। मतगणना कार्य में 15,024 कार्मिक जुटेंगे, जबकि सुरक्षा व्यवस्था में 8,926 जवानों की तैनाती की गई है। पंचायत चुनाव में कुल 34,151 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने कहा है कि जिस तरह से स्वतंत्र व निष्पक्ष मतदान कराया गया है, उसी तरह से मतगणना का कार्य भी पूरी पारदर्शिता से कराया जाएगा। इसके लिए, सभी जरूरी इंतजाम कर लिए गए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राहुल कुमार गोयल के अनुसार–हरिद्वार को छोड़कर राज्य के 12 जिलों के 89 विकासखंडों में दो चरणों में हुए मतदान का प्रतिशत 69.16 रहा है। इसमें 64.23 प्रतिशत पुरूष और 74.42 प्रतिशत महिला मतदाता शामिल रहे। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए 24 जुलाई और 28 जुलाई को मतदान कराया गया। आयोग के सचिव ने बताया कि मतगणना के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है।

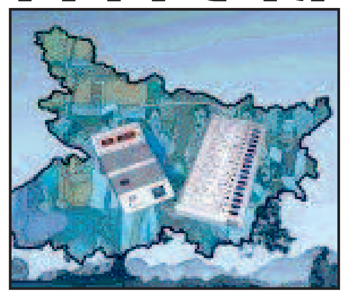

मतगणना की निगरानी प्रेक्षकों एवं जोनल मजिस्ट्रेट तथा पुलिस के अधिकारी करेंगे। सुरक्षा के दृष्टिगत सभी मतगणना केंद्रों पर आवश्यक बैरिकैटिंग कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि रिटर्निंग ऑफिसर के स्तर पर चुनाव परिणाम की घोषणा हो जाने के बाद आयोग की वेबसाइट पर इन्हें प्रदर्शित किया जाएगा।

विजयी जुलूसों पर रहेगा प्रतिबंध, निर्देश जारी

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद विजयी जुलूस निकालने पर प्रतिबंध रहेगा। राज्य निर्वाचन आयोग ने जिलों को भेजे लिखित निर्देश में उम्मीदवारों के समर्थन में निकलने वाले जुलूसों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए कहा है।

गहरी खाई में गिरी टैक्सी, एक की मौत, एक गंभीर घायल

अल्मोड़ा। जनपद अल्मोड़ा के पनुवादोखन क्षेत्र में बुधवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना सुबह करीब 5:15 बजे उस समय हुई, जब एक टैक्सी कार संख्या यूके19 टीए–2494 दिल्ली से तिमली देघाट की ओर जा रही थी। वाहन अनियंत्रित होकर गोदी के पास लगभग 200 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे की सूचना मिलते ही भतरौजखान पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। वाहन चालक सुरेश कुमार (उम्र 45 वर्ष), निवासी स्याल्दे, गंभीर रूप से घायल अवस्था में पाया गया। उसे प्राथमिक उपचार के बाद 108 एम्बुलेंस की मदद से रामनगर भेजा गया। वहीं, टैक्सी में सवार मोहित कुमार (उम्र 21 वर्ष), पुत्र चंदनराम, निवासी ग्राम तिमली पिपोरा, स्याल्दे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस द्वारा पंचनामा व अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

देश को मिले 109 आइएफएस अफसर, केरल के मिधुनमोहन ने किया टाप

देहरादून। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी (आइजीएनएफए) के वर्ष 2023–2025 बैच के दीक्षा समारोह के साथ ही देश को 109 आइएफएस अफसर मिल गए। जो अब अपने–अपने कैडर के राज्य में युवा वनाधिकारी के रूप में सेवा देंगे। पासआउट होने वालों में आइएफएस के अलावा दो प्रशिक्षु अधिकारी भूटान के भी हैं। सर्वाधिक 17 अफसर मध्य प्रदेश को मिले हैं। वहीं, दीक्षा समारोह में सर्वांगीण उत्कृष्ट प्रदर्शन पुरस्कार केरल कैडर के मिधुनमोहन एसबी को मिला। बुधवार को वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआइ) के दीक्षांत सभागार में आइजीएनएफए के दीक्षा समारोह का उद्घाटन राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस वी रामसुब्रमण्यन के किया। उन्होंने प्रशिक्षु आइएफएस अधिकारियों को अकादमी में प्रशिक्षण के दौरान किए गए प्रदर्शन के अनुरूप अवार्ड प्रदान किए। युवा अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस रामसुब्रमण्यन ने प्रशासनिक दायित्वों के साथ

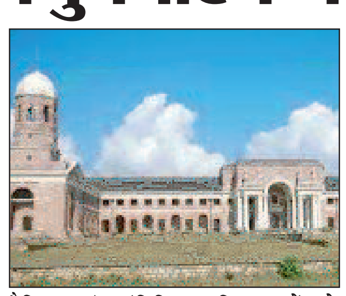

नैतिक एवं सांविधिक प्रतिबद्धताओं के अनुरूप कार्य करने की सीख दी। अकादमी के निदेशक डा. जगमोहन श्रम ने कहा कि पासआउट होने वाले कुल 111 प्रशिक्षु अधिकारियों में 22 महिला आइएफएस अधिकारी शामिल हैं। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि बैच के 50 अधिकारियों ने 75 प्रतिशत से अधिक अंकों से आनर्स डिप्लोमा प्राप्त किया है। इस अवसर पर एफआरआइ की निदेशक डा. रेणु सिंह समेत विभिन्न केंद्रीय और राज्य के वन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यवार हिस्से आए युवा आइएफएस अधिकारी

राज्य,	संख्या
मध्य प्रदेश,	17
उत्तर प्रदेश,	12
केंद्र शासित प्रदेश,	08
पश्चिम बंगाल,	06
गुजरात,	06
ओडिसा,	06
तमिलनाडु,	06
कर्नाटक,	06
आंध्र प्रदेश,	05
हिमाचल प्रदेश,	05
महाराष्ट्र,	05
झारखंड,	04
छत्तीसगढ़,	04
राजस्थान,	04
उत्तराखंड,	03
असम (मेघालय),	03
हरियाणा,	03
बिहार,	02
केरल,	02
पंजाब,	01
तेलंगाना,	01

'तुष्टीकरण की मिठाई खिलाती रही कांग्रेस, पाक बरसाता रहा बम', जेपी नड्डा ने बोला हमला

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष इतिहास के सहारे विपक्ष को आईना दिखाने के ऑपरेशन में गंभीरता से जुटा दिखाई दिया। राज्य सभा में सदन के नेता व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने 2004 से 2014 तक के संप्रग कार्यकाल को अमावस और 2014 के बाद से मोदी कार्यकाल को पूर्णमासी की संज्ञा देते हुए तब हुई आतंकी घटनाएं, तत्कालीन सरकार के रुख और वर्तमान सरकार के रुख की चर्चा की।

उन्होंने आरोप लगाया कि यूपीए सरकार तुष्टीकरण की मिठाई खिलाती रही और पाकिस्तान भारत पर बम बरसाता रहा। जेपी नड्डा ने कहा कि संवेदनशील और असंवेदनशील सरकार के अंतर को समझने के लिए सिर्फ पहलगाम की घटना को देखना अन्याय है। इसे दो चरणों में देखना होगा। पहला 2004 से 2014 और दूसरा 2014 से 2025 तक की सरकार का कार्यकाल, क्योंकि अमावस दिखाने के बाद ही पूर्णमासी समझ में आती है।

नैनीताल हाई कोर्ट का फैसला

सरकारी नौकरी में अब पूर्व सैनिकों को कई बार मिलेगा आरक्षण का लाभ

नैनीताल। हाई कोर्ट ने राज्य में पूर्व सैनिकों को सरकारी सेवाओं में नियुक्ति में केवल एक बार ही पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण का लाभ लेने से संबंधित शासनादेश को रद कर दिया है। कोर्ट के इस निर्णय से राज्य के बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों के राज्य की विभिन्न सरकारी सेवाओं में आवेदन के बाद आरक्षण लाभ मिलने का रास्ता साफ हो गया है। दरअसल राज्य सरकार की ओर से 22 मई 2020 को एक शासनादेश जारी किया गया था। जिसमें कहा गया था कि पूर्व सैनिकों को राज्य की सरकारी सेवा में आरक्षण का लाभ केवल एक ही बार मिलेगा। राज्य में पूर्व सैनिकों को सरकारी सेवाओं में पांच प्रतिशत आरक्षण देय है। सरकार के इस शासनादेश को रामनगर के शिक्षक दिनेश कांडपाल ने याचिका दायर कर चुनौती दी। मंगलवार को वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी व न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में याचिका पर सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता विकास बहुगुणा ने तर्क दिया कि पूर्व सैनिकों, दिव्यांग व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रितों को आरक्षण देने से संबंधित अधिनियम में एक बार ही आरक्षण का लाभ मिलने का कोई उल्लेख नहीं है। ऐसे में सरकार का शासनादेश नियम विरुद्ध और निरस्त होने योग्य हैं। यह भी कहा कि उत्तराखंड में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक राजकीय सेवाओं के लिए आवेदन करते हैं।

नैनीताल हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, हरिद्वार में 48 स्टोन क्रशरों को तत्काल बंद करने के निर्देश

नैनीताल। हाई कोर्ट ने हरिद्वार में रायवाला से भोगपुर व कुंभ मेला क्षेत्र में गंगा नदी किनारे हो रहे अवैध खनन के विरुद्ध मातृ सदन हरिद्वार की जनहित याचिका पर सुनवाई की।बुधवार को न्यायाधीश न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी व न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की खंडपीठ ने पूर्व के आदेश का अनुपालन नहीं करने पर नाराजगी व्यक्त की है। कोर्ट ने कहा कि पूर्व के आदेशों का अनुपालन नहीं करना और स्टोन क्रशरों का संचालन करना कानून का उल्लंघन है। कोर्ट ने हरिद्वार में संचालित 48 स्टोन क्रशरों को तत्काल बंद करने व उनकी बिजली पानी के कनेक्शन काटने के आदेश जिलाधिकारी व एसएसपी हरिद्वार को दिए हैं।

पीएम मोदी ने पाकिस्तान को दिखाया आईना

• कहा– इन तीन देशों ने दिया पाकिस्तान का साथ, अब जरा सी भी गड़बड़ी की तो खैर नहीं

नई दिल्ली , ऑपरेशन सिंदूर पर जारी चर्चा में पीएम मोदी ने पाकिस्तान को जमकर निशाने पर लिया। पीएम मोदी ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान को लग गया था कि कुछ बड़ा होने वाला है। इसीलिए पाकिस्तान की तरफ से न्यूक्लियर हमले की धमकियां भी आने लगी थीं, लेकिन हमारी तरफ से यह साफ कर दिया गया था कि अब न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग नहीं चलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर पर बात रखते हुए कहा कि पाकिस्तान की तरफ से हमारी लड़ाई तो कई बार हुई है। लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि हमने इतने अंदर तक हमला किया हो। पाकिस्तान पर हमला करके हमने उसकी न्यूक्लियर हमले की धमकी को झूठा साबित कर दिया। भारत ने साबित किया कि अब किसी भी न्यूक्लियर ब्लैकमैलिंग के आगे भारत झुकेगा नहीं।

इन तीन देशों ने दिया पाकिस्तान का साथ

इस दौरान पीएम मोदी ने भारत के प्रति दुनिया के समर्थन को लेकर भी काफी बातें कही। उन्होंने कहा कि दुनिया में किसी भी देश ने भारत को अपनी सुरक्षा में कार्रवाई करने से रोका नहीं। पीएम मोदी ने उन तीन देशों का भी अपने भाषण में जिक्र किया, जिसने पाकिस्तान के समर्थन में बयान दिया था। उन्होंने कहा कि 193 देशों में से सिर्फ 3 देशों ने ही पाकिस्तान के समर्थन में बयान दिया था।

तुर्किए

पहलगाम हमले के बाद भारत की कार्रवाई और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्किए ने लगातार पाकिस्तान का समर्थन किया था। इस दौरान पाकिस्तान द्वारा भारत में हमला करने की कोशिश के दौरान जो ड्रोन छोड़े जा रहे थे, वे तुर्किए द्वारा ही

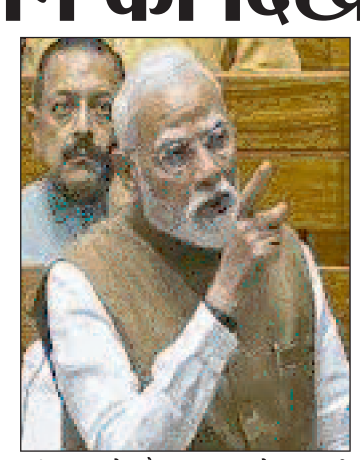

पाकिस्तान को मुहैया कराए गए थे। इतना ही नहीं, तुर्किए ने ड्रोन के अलावा मिसाइल और पनडुब्बी तक की मदद भी पाकिस्तान को पहुंचाई थी।

चीन

भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान का समर्थन किया था। इस ऑपरेशन के दौरान, भारत ने पाकिस्तान में बैठे आतंकियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की थी, जिसके जवाब में पाकिस्तान ने चीन से मदद मांगी थी। दोनों देशों के संघर्ष के दौरान चीन ने पाकिस्तान को खुफिया जानकारी, हथियार और रणनीतिक सहायता प्रदान की थी। भारतीय सेना ने भी बताया था कि इस ऑपरेशन में भारत एक नहीं बल्कि, तीन दुश्मनों का सामना कर रहा था। सेना ने बाताय था कि चीन ने पाकिस्तान को लाइव डेटा उपलब्ध कराए थे।

अजरबैजान

ऑपरेशन सिंदूर के बाद तुर्किए के अलावा एक और देश पाकिस्तान का हमदर्द बना हुआ था। यह देश भारत से करीब 2900 किलोमीटर दूर, ईरान का पड़ोसी और सोवियत संघ के विघटन के बाद बना मुल्क अजरबैजान है। भारत ने जब पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों का सफाया किया तो अजरबैजान ने भी पाकिस्तान को रोने के लिए अपना कंधा दिया। इस देश ने भारत के सैन्य हमले की निंदा की और पाकिस्तान के साथ कंधे से कंधा मिलकर खड़े रहने की बात कही।

सेना ने एनकाउंटर में 2 आतंकी किए ढेर

पुंछ , पुंछ जिले के देगवार सेक्टर में सुबह सुरक्षाबलों ने एक संयुक्त अभियान में 2 आतंकियों को मार गिराया। सेना और जम्मू–कश्मीर पुलिस द्वारा चलाए गए इस संयुक्त ऑपरेशन में आतंकियों की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम किया गया। सेना के प्रवक्ता ने बताया कि नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद इलाके को घेरकर तलाशी अभियान शुरू किया गया था। इसी दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाब में की गई कार्रवाई में दोनों आतंकी मारे गए। सूत्रों के अनुसार, मारे गए आतंकी पाकिस्तान से भारत में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। मुठभेड़ के बाद पूरे क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई अन्य आतंकी इलाके में छिपा न हो। इससे पहले सोमवार को श्रीनगर के लिडवास इलाके में सेना ने ऑपरेशन 'महादेव के तहत पहलगाम हमले में शामिल तीन आतंकियों को ढेर कर दिया था।

लालू यादव को सुप्रीम कोर्ट से झटका

लैंड फॉर जॉब स्कैम केस में कार्यवाही पर रोक से इन्कार

नई दिल्ली , नौकरी के बदले जमीन (लैंड फॉर जॉब) घोटाले में फंसे राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें एक और बड़ा झटका देते हुए निचली अदालत में चल रही मुकदमे की कार्यवाही पर रोक लगाने से साफ इनकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने लालू यादव की याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि इस मामले से जुड़ी एक याचिका पहले से ही दिल्ली हाई कोर्ट में लंबित है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने टिप्पणी की कि निचली अदालत द्वारा आरोप तय किया जाना, दिल्ली हाई कोर्ट में लंबित याचिका पर आने वाले फैसले पर निर्भर करेगा। यह मामला साल 2004 से

2009 के बीच का है, जब लालू प्रसाद यादव केंद्र में रेल मंत्री थे। केंद्रीय जांच ब्यूरो का आरोप है कि इस दौरान रेलवे के ग्रुप 'डी पदों पर भर्ती के लिए नियमों को ताक पर रखकर कई लोगों को नौकरी दी गई। आवेदकों से उनकी जमीनें लालू यादव के परिवार के सदस्यों और करीबियों के नाम पर लिखवाई गईं।

देशहित से नहीं होगा कोई समझौता

ट्रंप के टैरिफ पर आई सरकार की पहली प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इस पर भारत सरकार की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। सरकार ने एक बयान में कहा कि सरकार किसानों, उद्यमियों और एमएसएमई को ज्यादा महत्व देगी।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया, "सरकार ने द्विपक्षीय व्यापार पर अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान पर ध्यान दिया है। सरकार इसके निहितार्थों का अध्ययन कर रही है।"

'द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए भारत प्रतिबद्ध'

मंत्रालय ने आगे कहा, "भारत और अमेरिका पिछले कुछ महीनों से एक

निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर पहुंचने के लिए बातचीत कर रहे हैं। हम इस उद्देश्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं। सरकार अपने किसानों, उद्यमियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के कल्याण की रक्षा और संवर्धन को सर्वोच्च महत्व देती है।"

'देश हितों की रक्षा के लिए उठाए जाएंगे कदम'

बयान में ये भी कहा गया, "सरकार अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी, जैसा कि ब्रिटेन के साथ हुए नवीनतम व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते सहित अन्य व्यापार समझौतों के मामले में किया गया है।"

गोवा में ईडी का एक्शन, 212.85 करोड़ से अधिक की अचल संपत्तियों को किया कुर्क

गोवा ,प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पणजी स्थित क्षेत्रीय कार्यालय ने गोवा में 212.85 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। ईडी ने पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत गोवा राज्य के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर स्थित अचल संपत्तियों पर ये कार्रवाई की है। ईडी ने बुधवार को एक बयान में बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), पणजी क्षेत्रीय कार्यालय ने 28 जुलाई को गोवा के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर स्थित कई अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है, जिनका मूल्य 212.85 करोड़ रुपए है। यह कार्रवाई रोहन हरमलकर और उनके सहयोगियों के नेतृत्व में एक संगठित आपराधिक गिरोह द्वारा किए गए भूमि हड़पने और जालसाजी की व्यापक साजिश की चल रही जांच के संबंध में की गई है।

ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल लाइन की 13 सुरंगे बनकर तैयार: अश्विनी वैष्णव

देहरादून। केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने सांसद अजय भट्ट के सवाल के जवाब में लोकसभा में बताया कि ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल लाइन की 16 में से 13 सुरंगों का निर्माण पूरा कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में 40,384 करोड़ लागत की तीन नई रेलवे लाइनों को अभी तक मंजूरी दी गई है। सांसद अजय भट्ट ने लोकसभा में पिछले तीन वर्षों और चालू वित्त वर्ष के दौरान नई रेल परियोजनाओं के लिए उत्तराखंड को परियोजनावार आवंटित कुल धनराशि के बारे में लोकसभा में प्रश्न पूछा था। बुधवार को केंद्रीय रेल मंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि देवबंद–रुड़की नई लाइन परियोजना (27 किमी) पूरी हो गई है। इससे दिल्ली–देहरादून के बीच की दूरी

लगभग 40 किमी कम हो जाएगी। उत्तराखंड राज्य में पूर्णतः और आंशिक रूप से आने वाले कुल 146 किलोमीटर लंबे 03 सर्वेक्षण स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें दो नई लाइनें और एक दोहरीकरण का कार्य है। साथ ही अप्रैल 2025 तक उत्तराखंड में 40,384 करोड़ रुपये की लागत से कुल 216 किलोमीटर लंबाई वाली 03 नई लाइनें स्वीकृत हैं, इनमें 16 किलोमीटर रेल लाइन कमीशंड हो चुकी है। इन पर मार्च 2025 तक 19,898 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। उन्होंने 125 किमी. लंबी ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल लाइन के बारे में जानकारी दी कि 105 किमी लंबी 16 मुख्य लाइन सुरंगों और लगभग 98 किमी लंबी 12 एस्केप सुरंगों का निर्माण शामिल है। अब तक 13 मुख्य लाइन सुरंगों और 9 एस्केप सुरंगों का निर्माण पूरा हो चुका है। इसमें भारतीय रेलवे में पहली बार हिमालयी भू क्षेत्र में सबसे लंबी 14.8 किमी. लंबी सुरंग का निर्माण टीबीएम से पूरा किया है।

सम्पादकीय

सरकारी शिक्षा से उठता विश्वास

उत्तराखंड में सरकारी शिक्षा को सुधारने के लिए राज्य सरकार ने उद्योगपतियों की तरफ हाथ बढ़ाया है। हालांकि सरकारी स्कूलों में सबसे बड़ी समस्या छात्रों की संख्या को लेकर है जहां शिक्षा के गिरते स्तर के कारण लोग सरकारी स्कूलों से विमुख हो रहे हैं। 80 उद्योगपतियों के साथ उत्तराखंड के दुरुस्त क्षेत्र के विद्यालयों को गोद लेने की प्रक्रिया शुरू की गई है लेकिन देखना यह होगा कि क्या यह सिर्फ एक प्रोपेगेंडा साबित होगा या फिर वाकई सरकार के इस फैसले के कुछ सार्थक परिणाम भविष्य में देखने को मिलेंगे। यह फैसला ठीक वैसा ही है जैसे की कुछ समय पहले गांव को गोद देने की घोषणा की गई थी लेकिन बाद में यह काम सिर्फ घोषणाओं तक ही सीमित रह गया। हालांकि एक उम्मीद यह भी है कि यदि उद्योगपति वाकई बच्चों के भविष्य और शिक्षा की सुधार के लिए तन्मयता के साथ प्रयास करेंगे तो निश्चित तौर पर इसका लाभ उत्तराखंड के लाखों नौनीहालों को मिलेगा। उत्तराखंड की सरकारी शिक्षा भले ही शिक्षकों के लिए जीविकोपार्जन का एक अच्छा साधन है लेकिन इसी सरकारी शिक्षा से लोगों का मोह भंग होता जा रहा है। स्थिति यह है कि सरकारी विद्यालयों में छात्रों की संख्या तेजी से घट रही है और अभिभावक निजी स्कूलों की अंग्रेजी शिक्षा की ओर परिवर्तित हो रहे हैं। राज्य सरकार ने छात्रों को आकर्षित करने के लिए जहां निशुल्क शिक्षा की व्यवस्था की है तो वही प्राथमिक स्तर पर निशुल्क पुस्तक ऑन के साथ–साथ "मिड डे मील" योजना के तहत भोजन भी उपलब्ध कराया जाता है। हालांकि इस सबके बावजूद सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या लगातार कम हो रही है। छात्रों की कम होती संख्या को देखते हुए ही कुछ माह पूर्व सरकारी स्कूलों में "प्रवेश उत्सव" मनाने की पहल की गई थी जिसके तहत छात्रों को सरकारी स्कूलों में आने के लिए प्रोत्साहित करना था लेकिन फिर वही बड़ा प्रश्न आ खड़ा होता है कि क्या सरकारी कर्मचारी या स्वयं सरकारी अध्यापक अपने बच्चों को इन विद्यालयों में प्रवेश दिला रहे हैं? यहीं आकर सारी धारणाएं और प्रयास धरे के धरे रह जाते हैं। सबको अपने बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा चाहिए और इस अच्छे शिक्षा के लिए सरकारी कर्मचारी काम से कम सरकारी विद्यालयों पर कभी भी निर्भर नजर नहीं आए हैं। एक कड़वा सत्य यह भी है कि उत्तराखंड में सरकारी शिक्षकों एवं अधिकारियों द्वारा छात्रों की संख्या बढ़ाने की दिशा में कभी गंभीरता नहीं दिखाई गई है और ना ही शिक्षकों व अधिकारियों द्वारा क्षेत्र में जाकर अभिभावकों को प्रेरित करने का प्रयास किया गया। शिक्षा के नाम पर ना तो छात्रों का व्यक्तित्व विकास नजर आता है और ना ही वे बाहरी प्रतिस्पर्धा में खुद को सहज महसूस करते हैं। विद्यालय में शिक्षा के साथ–साथ व्यक्तित्व विकास एवं नियमित खेलों को भी अनिवार्य तौर पर शामिल करना होगा अन्यथा निजी स्कूलों के मकड़जाल में सरकारी स्कूलों की स्थिति बद से बदतर होती चली जाएगी। सरकारी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए न केवल मजबूत बुनियादी शिक्षा बल्कि मानसिक एवं शारीरिक विकास के साथ–साथ शिक्षा के लिए जरूरी हाईटेक सुविधाएं भी उपलब्ध करानी होगी। सरकारी शिक्षा में सुधार के लिए सरकार भरसक प्रयास कर चुकी है लेकिन सरकारी स्कूलों की दशा लगातार खराब होती जा रही है। शिक्षा के गिरते स्तर एवं सुविधाओं के अभाव में न जाने कितने ही विद्यालय बंद हो चुके हैं तो कुछ में छात्रों की संख्या बेहद निराशाजनक है। उद्योगपतियों के भरोसे यदि शिक्षा के स्तर में कुछ सुधार होता है तो उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले वर्षों में शायद लोगों का रुझान सरकारी शिक्षा की ओर विकसित हो सके।

हिमालय की भौगोलिक संरचना

पुराने समय में हिमालय के पर्वतीय अंचल में जब बरसात प्रारंभ होती थी तो लोग अपने मवेशियों को लेकर जंगल में घास के बीच में छानियां बनाकर निवास करते थे। जहां से वे दूध, घी, मक्खन बनाकर बेचते थे और उसके बदले उन्हें साल भर की राशन खरीदना होता था। तब उनके चारों ओर आज की जैसी आपदा की स्थिति नहीं थी और बारिश में लोगों को अपनी खेती–बाड़ी में बारहनाजा (एक ही खेत में 12 प्रकार की फसल) की फसलें तैयार होती दिखाई देती थी। हिमालय के नीचे मैदानी क्षेत्रों में रहने वाले लोग भी बरसाती मौसम में नदियों में बहकर जाने वाली उपजाऊमिट्टी, पानी को अच्छी फसल के संकेत मानते थे। अब वह पुराना समय चला गया है। गत वर्ष 2023–24 में जिस तरह की बाढ़ मध्य हिमालय से लेकर हिमाचल, जम्मू कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों में 500 से अधिक लोग मारे गए थे। उसकी पुनरावृत्ति सन 2025 की शुरु आती बरसात में ही दिख रही है। बरसात के मौसम का प्रभाव उत्तराखंड और हिमाचल पर सबसे अधिक है। केदारनाथ जाने वाले रुद्रप्रयाग–गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग पर पिछले वर्षो से सड़क चौड़ीकरण के बाद दर्जनों डेंजर जोन बने हुए हैं। जहां पर इस बार भी सोनप्रयाग के पास पहाड़ खिसकने से लगभग 1300 यात्रियों को रेस्क्यू करना पड़ा।

सुरेश भाई

हिमालय में बाढ़ और भूस्खलन के चलते पर्यटकों और यात्रियों को बार–बार रोकना पड़ रहा है। गांव में रहने वाले लोग भारी बारिश के चलते रातभर सो नहीं पाते हैं।

ऐसी भी सैकड़ों बस्तियां हैं जिनके आसपास विकास के नाम पर चारागाह, जंगल, खेती, पुराने रास्ते, नहरें क्षतिग्रस्त हुए हैं और वहां से लोग भूस्खलन की डर से सुरक्षित स्थान की तरफ भाग जाते हैं। इस विषम परिस्थिति में गर्भवती महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सबसे अधिक तकलीफ में हैं।

पुराने समय में हिमालय के पर्वतीय अंचल में जब बरसात प्रारंभ होती थी तो लोग अपने मवेशियों को लेकर जंगल में घास के बीच में छानियां बनाकर निवास करते थे। जहां से वे दूध, घी, मक्खन बनाकर बेचते थे और उसके बदले उन्हें साल भर की राशन खरीदना होता था। तब उनके चारों ओर आज की जैसी आपदा की स्थिति नहीं थी और बारिश में लोगों को अपनी खेती–बाड़ी में बारहनाजा (एक ही खेत में 12 प्रकार की फसल) की फसलें तैयार होती दिखाई देती थी। हिमालय के नीचे मैदानी क्षेत्रों में रहने वाले लोग भी बरसाती मौसम में नदियों में बहकर जाने वाली उपजाऊमिट्टी, पानी को अच्छी फसल के संकेत मानते थे।

अब वह पुराना समय चला गया है। गत वर्ष 2023–24 में जिस तरह की बाढ़ मध्य हिमालय से लेकर हिमाचल, जम्मू कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों में 500 से अधिक लोग मारे गए थे।

उसकी पुनरावृत्ति सन 2025 की शुरु आती बरसात में ही दिख रही है। बरसात के मौसम का प्रभाव उत्तराखंड और हिमाचल पर सबसे अधिक है। केदारनाथ जाने वाले रुद्रप्रयाग–गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग पर पिछले वर्षो से सड़क चौड़ीकरण के बाद दर्जनों डेंजर जोन बने हुए हैं। जहां पर इस बार भी सोनप्रयाग के पास पहाड़ खिसकने से लगभग 1300 यात्रियों को रेस्क्यू करना पड़ा।

जून के अंत में यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिलाई बैंड के पास निर्माण कार्य में लगे 18 मजदूरों में से 9 मजदूर बहकर लापता हो गये थे। यहां पर बहुत लंबे समय से औजरी, डाबरकोट, कुथनौर, पालीगाड़, सिलाई बैंड, किसाला आदि स्थान भू–धंसाव के लिए संवेदनशील बने हुए हैं। 2023–24 की बरसात में भी यहां पर लगातार निर्माण का

मलबा सड़क पर बहकर आया था। इसके बावजूद भी करोड़ों खर्च करने के बाद इस मार्ग को चौड़ीकरण करने से पहले भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र को बचाने के लिए जो वैज्ञानिक उपाय होने चाहिए थे उस पर ध्यान नहीं गया है, जिसके कारण लंबे समय से हर बरसात में यह स्थान यमुना नदी की तरफ टूट कर बह जाता है।

यमुनोत्री आने–जाने वाले तीर्थयात्री बड़ी मुश्किल से इस भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र से जान जोखिम में डालकर गुजरते हैं। जानकी चट्टी से यमुनोत्री तक 6 किमी के पैदल रास्ते पर भी एक दर्जन ऐसे संवेदनशील स्थान वैज्ञानिकों ने चिह्नित किए हैं जहां भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। इस बार भी यहां पर लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। अतः जरूरत है कि बहुत चौड़ी सड़क के स्थान पर जहां से भूस्खलन लगातार हो रहा है उस एरिया तक पहुंच बना करके ट्रीटमेंट करने पर ध्यान देना चाहिए। सड़क मार्ग को इस डेंजर जोन पर अधिक चौड़ा करने की कोशिश करेंगे तो आने–जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

दूसरी ओर स्याना चट्टी के पास यमुना नदी पर झील बनने का खतरा बना हुआ है, जिस पर उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्य लगातार नजर बनाए हुए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी यहां भूस्खलन क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया है। गंगा की सहायक नदी अलकनंदा, भागीरथी, भिलंगना, बालगंगा उफान पर हैं, लोग भारी बारिश और बाढ़ का सामना कर रहे हैं।

हिमाचल में पिछले 15 दिनों में लगभग 17 स्थानों पर बादल फटे हैं। अब तक लगभग 100 लोगों की जिंदगी चली गई है और 55 लोग लापता हैं। लगभग 80 हजार की आबादी पर भूस्खलन का खतरा मंडरा रहा है। पूर्वोत्तर राज्यों में दक्षिण–पश्चिम मानसून पहुंचते ही हाहाकार मच गया। ब्रह्मपुत्र समेत 10 नदियां उफान पर है। सिक्किम में भूस्खलन से सेना का एक शिविर दब गया जिसमें तीन जवान शहीद हो गए थे और 6 लोग लापता हैं। असम और अरुणाचल प्रदेश में भी 10–10 लोगों ने अपनी जान गंवा दी। 10 हजार लोग राहत शिविरों में रखे गए हैं। असम और मणिपुर में चार लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

प्रभावित लोग महसूस कर रहे हैं कि हिमालय की भौगोलिक संरचना को नजरअंदाज करके जिस तरह से फोरलाइन मार्गों का निर्माण, वनों का कटान, बहुमंजिली इमारतें, हिमालय की संवेदनशील धरती के साथ विकास के नाम पर अनियोजित छेड़छाड़, बार–बार भूकंप आना, अनियंत्रित पर्यटन और पंचतारा संस्कृति ने अधिक उपभोग करने की चाह में संकट पैदा कर दिया है। निर्माण कार्य में प्रयोग होने वाले विस्फोट से मलबा नदियों में एकत्रित होकर बाढ़ के हालात पैदा कर रहा है। निर्माण कार्य में लगी जेसीबी मशीनों ने भी पहाड़ को हिला कर रख दिया है। जो हिमालय की भूगर्भीय बनावट के लिए बहुत खतरनाक है। यहां के पर्यावरण और जीवनशैली के अनुरूप विकास की नई रेखा खींचनी होगी और हिमालय पर विकास के नाम पर हो रहे मैदानों के अनुरूप जैसी छेड़छाड़ को रोका जाए।

ट्रंप की सनक या तानाशाही

प्रेम शर्मा

अपने अनिश्चित स्वभाव के अनुरूप, अमेरिकी राष्ट्रपति ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था के साथ बहुत अधिक खिलवाड़ किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेनइ अभियान प्रवासी विरोधी बनता जा रहा है। ट्रंप की टेक कंपनियों को उनकी ताजा चेतावनी इसी का प्रमाण है। जिसे राष्ट्रपति चुने जाने के लिए भारत में हवन पूजन किया गया हो। जिसे देश के प्रधानमंत्री का बेहतर मित्र कहा जा रहा हो वह राष्ट्रपति भारत के खिलाफ लगातार आग उगल रहा है।हालांकि ट्रंप की ऐसी हर कोशिश उनके ही देश को नुकसान पहुंचाएगी। डोनाल्ड ट्रंप ने जबसे अमेरिकी राष्ट्रपति पद को संभाला है, भारत के खिलाफ ही काम कर रहे हैं। एक बार फिर उन्होंने भारत के खिलाफ जहर उगला और कहा कि अब वो दिन लद गए जब अमेरिकी कंपनियां भारतीयों को नौकरी दें। इससे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया की बड़ी टेक कंपनियों को एक सख्त मैसेज दिया है, जिसमें भारत से हायरिंग करने को मना किया है। ऐसे कई फैसले जो उन्होंने भारत को हानि पहुचाने वाले लिए है।दूसरे कार्यकाल की शुरुआत ही धमकियों से करने वाले ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिकी कंपनियां केवल अमेरिकियों को ही नौकरी दें। उनका कहना है कि 'हमारी कई बड़ी टेक कंपनियों ने अमेरिकी आजादी का फायदा उठाते हुए चीन में फैक्ट्रियां बनाईं, भारत में कर्मचारियों को नौकरी दी और आयरलैंड में मुनाफा बचाया...इ कुछ अरसा पहले ही ट्रंप ने एपल को चेतावनी दी थी कि अगर उसने भारत में प्रॉडक्शन किया, तो आईफोन पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया जाएगा। ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिका में बिकने वाला हर सामान अमेरिका में ही बने और उसे बनाएं भी अमेरिकी ही, लेकिन क्या यह संभव है? ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में जब मुक्त व्यापार की बात हो रही है, तब कोई अर्थव्यवस्था खुद में सिमट कर नहीं रह सकती। और सबसे अहम बात, अमेरिकी कंपनियां इसलिए भारत या चीन में प्लांट लगाना चाहती हैं, क्योंकि यहां मैन्युफैक्चरिंग सस्ती है। इसी तरह, सिलिकॉन वैली या दूसरी अमेरिकन इंडस्ट्रीज में भारतीयों ने अपनी बुद्धिमत्ता से जगह बनाई है। दर्जनों विश्व विख्यात कम्पनी के मुख्यकर्ताधर्ता भारतीय मूल के है।सिलिकॉन वैली के करीब एक तिहाई टेक एम्प्लॉई भारतीय मूल के हैं। फॉर्च्युन 500 की लगभग डेढ़ दर्जन कंपनियों में टॉप पोजिशन पर भारतीय बैठे हैं। ये भारतीय अमेरिकी इकॉनमी के इंजन हैं। 2024 में 72 यूनिकॉर्न स्टार्टअप भारतीय मूल के लोगों के थे और इनकी टोटल वैल्यू 195 अरब डॉलर आंकी गई थी। इन कंपनियों में अमेरिकी भी काम करते हैं। इसी तरह, अमेरिका की आबादी में 1.5 वाले भारतीय 5–6ः इनकम टैक्स अदा करते हैं।अमेरिकी की टेक इंडस्ट्री या सिलिकॉन वैली आज अगर वैश्विक स्तर पर राज कर रही है, तो इसमें प्रवासियों का बड़ा योगदान है। दुनियाभर की मेधा, खासकर भारत की, ने मिलकर इस इंडस्ट्री को सींचा है। इलॉन मस्क की टेस्ला को जब ऑटोपायलट सॉफ्टवेयर में सफलता मिली, तो उन्होंने भारतीय मूल के एक रोबोटिक्स इंजीनियर अशोक एल्लुस्वामी का ही नाम पहले लिया था। ट्रंप उस वैश्वीकरण को खत्म करने की बात कर रहे हैं, जिससे सबसे ज्यादा फायदा अमेरिका को ही हुआ है। उनके पास इंडस्ट्री की मांग को पूरा करने लायक वर्कफोर्स नहीं है। भारत के बिना उनका 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेनइ पूरा नहीं हो सकता।वैसे भी जब से ट्रप ने पद सम्हाला है तब से संयुक्त राज्य अमेरिका का व्यापार परिदृश्य एक बड़े बदलाव के दौर से गुज़र रहा है। क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में 20 से ज्यादा देशों में अपने टैरिफ अभियान का विस्तार कर रहे हैं।

50 प्रतिशत तक के प्रतिशोधात्मक शुल्कों के साथ, ऑटोमोबाइल और एल्युमीनियम से लेकर तांबा और ई–कॉमर्स तक, सभी क्षेत्र इस टकराव में फँस गए हैं। इसके लिए कनाडा, ब्राज़ील और भारत जैसे देश छूट हासिल करने के लिए 1 अगस्त की समय सीमा के ख़िलाफ़ दौड़ रहे हैं।

रिश्ता तोड़ने आमादा दंपति

सुप्रीम कोर्ट ने ताजा फैसले में कहा है कि पति–पत्नी का एक–दूसरे पर नजर रखना इसका सबूत है कि उनकी शादी मजबूत नहीं चल रही है। इसलिए इसका इस्तेमाल न्यायिक कार्यवाही में किया जा सकता है।

पीठ ने पंजाब–हरियाणा हाई कोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया। जिसमें कहा है, दंपति के दरम्यान गुप्त बातचीत साक्ष्य अधिनियम की धारा 122 के तहत संरक्षित है, इसका प्रयोग न्यायिक कार्रवाई में नहीं किया जा सकता।

पीठ ने निचली अदालत के आदेश को बहाल रखते हुए कहा, वैवाहिक कार्यवाही के दौरान रिकॉर्ड की गई बातचीत को संज्ञान लिया जा सकता है। यह मामला बठिंडा की कुटुंब अदालत के फैसले पर आधारित है, जिसमें पति को फोन कॉल वाली सीडी का सहारा लेने की अनुमति दी गई थी।

पत्नी ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। उसका तर्क था कि यह रिकॉर्डिंग उसकी सहमति या जानकारी के बगैर थी, जो निजता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। अदालत द्वारा इसे कानूनी रूप से अनुचित भी ठहराया गया। मगर सबसे बड़ी अदालत ने माना कि जब विवाह ऐसे स्तर पा पहुंच गया है, जहां दंपति एक–दूसरे की सक्रियता पर नजर रख रहे हों। यह अपने–आपमें रिश्ता तोड़ने का लक्षण है।

हालांकि पीठ ने स्वीकारा कि इस तरह के साक्ष्यों को अनुमति देने से घरेलू सौहार्द व वैवाहिक संबंध खतरे में पड़ सकता है। देश में तलाक बेहद जटिल प्रक्रिया है। न्यायिक झंझटों, आरोपों–प्रत्यारोंपो, साक्ष्यों सरीखी दिक्कतों के चलते कई दफा दंपति आपसी सहमति से अलग तो जाते हैं मगर तलाक नहीं लेते। हालांकि सच तो यह भी है कि अभी भी अपने समाज में न्यूनतम संबंध विच्छेद होते हैं। जो धीरे–धीरे बढ़ते जा रहे हैं। अंतिम प्राप्त आंकड़ों के अनुसार देश में केवल चौदह लाख लोग तलाकशुदा है। यहां बुरी से बुरी शादी भी सामाजिक/पारिवारिक दबाव में चलाई जाती रहती है। बेहद नाजुक संबंध होने के बावजूद विवाह परिवार का मुख्य केंद्र है। मगर वैवाहिक जीवन में दरारें, मन–मुटाव, संदेह, छल या विवाहेतर संबंधों की अनदेखी कई बार मुश्किल हो जाती है।

दुलकर सलमान के जन्मदिन पर प्रशंसकों मिला तोहफा

गीता आर्ट्स, स्वप्ना सिनेमा प्रस्तुत लाइटबॉक्स मीडिया की पैन–इंडिया फिल्म आकाशमलो ओका तारा – दुलकर सलमान के जन्मदिन पर झलक का अनावरण किया गया

बहुभाषी अभिनेता और भारतीय सिनेमा के प्रमुख सितारे, दुलकर सलमान, विविध और बेहद आकर्षक भूमिकाओं को स्वीकार करने के लिए जाने जाते हैं। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए प्रसिद्ध, दुलकर ने तेलुगु सिनेमा में महानति, सीता रामम और लकी भास्कर में उत्कृष्ट अभिनय के साथ उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। अभिनेता ने अब प्रतिभाशाली निर्देशक पवन सादिनेनी के साथ हाथ मिलाया है, जो अपनी अभिनव कहानी और अद्वितीय सिनेमाई दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं।

इस फ़िल्म का दिलचस्प शीर्षक आकासमलो ओका तारा है और इसका निर्माण लाइटबॉक्स मीडिया के संदीप गुन्नम और राम्या गुन्नम ने किया है। गीता आर्ट्स और स्वप्ना सिनेमा जैसे प्रतिष्ठित प्रोडक्शन हाउस इस फ़िल्म को प्रस्तुत कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट में बड़े नामों का समर्थन मिलने के साथ, यह फ़िल्म अपनी अलग पहचान बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। दुलकर सलमान के जन्मदिन के ख़ास मौके पर, निर्माताओं ने फ़िल्म की पहली झलक पेश की, जिससे दर्शकों को एक सौम्य और दिल को छू लेने वाली झलक मिली। इस झलक में रोज़मर्रा की ज़िंदगी के शांत अंशों को दर्शाया गया है, साथ ही दुलकर की शांत और संयमित उपस्थिति भी।

टी20 और वनडे टीम का हुआ ऐलान, मिल गया नया कप्तान, मिशेल ओवेन की हुई वापसी

नईदिल्ली, स्टइंडीज को उसी की धरती पर टेस्ट और टी20 में मात देने के बाद ऑस्ट्रेलिया अब अपने घर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सफेद गेंद से सीरीज खेलेगा. जिसमें 3 टी20 और 3 वनडे मैच शामिल है. ये सीरीज 10 अगस्त से टी20 मैच के साथ शुरू होगी और 24 अगस्त को वनडे के साथ खत्म होगी. इस आगीम सीरीज के ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार, 30 जुलाई को अपनी टीम का ऐलान भी कर दिया है, जिसमें कई बड़े बदलाव किए गए हैं. लगातार खराब प्रदर्शन करने वाले युवा सलामी बल्लेबाज जेक फेजर–मैकगर्क को वनडे और टी20 से बाहर कर दिया गया है. जेक फेजर ने अब तक 8 टी20 मैच खेले हैं. जिसमें उन्होंने 14.37 की औसत से सिर्फ 115 रन बनाए हैं. वनडे प्रारूप में भी उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है. 7 मैचों में, उन्होंने 14 की औसत से सिर्फ 98 रन बनाए हैं. वहीं दूसरी और वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 में शानदार बल्लेबाजी करने वाले 23 वर्षीय ऑलराउंडर मिशेल ओवेन को पहली बार वनडे में शामिल किया गया है. इसके अलावा ट्रेविस हेड और जोश हेजलवुड की भी टीम में वापसी हुई है.

पांचवें टेस्ट मैच से बाहर रहेंगे जसप्रीत बुमराह? रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा

नईदिल्ली,भारत और इंग्लैंड पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के आखिरी मैच में 31 को लंदन के ओवल में आमने सामने होंगे. ये मैच भारत के लिहाज से बहुत अहम है, क्योंकि वो हर हाल में इस मैच को जीतकर सीरीज 2–2 से बराबर करना चाहेगा. लेकिन इस बड़े मैच से पहले टीम इंडिया की सबसे बड़ी मुश्किल उसके प्लेइंग–11 में तेज गेंदबाजों का सिलेक्शन है.

ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि पांचवें और आखिरी टेस्ट मैच में भारत अपने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना उतरेगा. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने उनके कार्यभार को देखते हुए उन्हें ये

मैच खेलने से मना कर दिया है. बुमराह ने इस श्रृंखला में अब तक तीन मैचों में 14 विकेट लिए हैं.

रिपोर्ट के अनुसार, पांच मैचों की श्रृंखला में भारत के 1–2 से पिछड़ने के बावजूद, टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं ने मूल योजना के अनुसार ही आगे बढ़ने का फैसला किया है, जिसके अनुसार बुमराह 5 में से केवल 3 मैच ही खेलेंगे. बुमराह ने हेडिंग्ले में पहला टेस्ट खेला, एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में बाहर बैठे, जिसे भारत ने जीता,

अहान पांडे–अनीत पड्डा की सैयारा का दबदबा कायम

अहान पांडे और अनीत पड्डा स्टारर फिल्म सैयारा ने अपने दूसरे रविवार को बॉक्स ऑफिस पर बड़ा धमाका कर दिया है. देशभर में चर्चित फिल्म सैयारा अपनी रिलीज के 10 दिन पूरे कर चुकी है और आज 28 जुलाई को फिल्म अपने दूसरे सोमवार में एंटर कर चुकी है. फिल्म घरेलू और वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर जमकर पैसा कमा रही है. सोशल मीडिया पर फिल्म सैयारा की खूब हाइप है और लोग इसे थिएटर में जाकर देख रहे हैं. फिल्म सैयारा ने 10वें दिन (दूसरे रविवार) बॉक्स ऑफिस पर कितना कलेक्शन किया और इन 10 दिनों में फिल्म ने कुल कितनी कमाई कर ली है.सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने 10वें दिन 30 करोड़ रुपये का कारोबार किया और इसी के साथ फिल्म ने भारत में 247.25 करोड़ रुपये कमा लिए हैं और फिल्म ने वर्ल्डवाइड 327.64 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है. इसी के साथ साल 2025 की बड़ी फिल्में (गेम चेंजर, थांडरम, रेड 2, हाउसफुल 5, संक्रांतिकी वस्तुनम, एल 2– एंपुरन) को पछाड़ दूसरी सबसे कमाऊ फिल्म बन गई है. सैयारा के सामने बस छावा (601.54 करोड़ रुपये घरेलू) और वर्ल्डवाइज (716.68 करोड़ रुपये) का रिकॉर्ड है, जिसे तोड़ने में सैयारा के पसीने छूट सकते हैं.

पटरी पर लौटी पवन कल्याण की हरि हर वीरा मल्लू, चौथे दिन किया मोटा कलेक्शन

पवन कल्याण स्टारर फिल्म हरि हर वीरा मल्लू अपनी रिलीज के चार दिन पूरे कर चुकी है. हरि हर वीरा मल्लू अपने ओपनिंग कलेक्शन से मौजूदा साल की दूसरे बिगेस्ट ओपनर फिल्म बनी थी, लेकिन दूसरे ही दिन फिल्म की कमाई में 70 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई थी. अब हरि हर वीरा मल्लू ने अपने चार दिन के पहले वीकेंड में कितना कलेक्शन किया है और चौथे दिन कितनी कमाई की है इस बारे में जानेंगे. सैकनिल्क के अनुसार, हरि हर वीरा मल्लू ने पहले दिन प्रीमियर शो के 44.2 करोड़ रुपये से खाता खोला था और दूसरे दिन 8 करोड़ रुपये, तीसरे दिन फिल्म की कमाई में 14 फीसदी का उछाल आया और फिल्म ने 9.15 करोड़ रुपये और रविवार यानी चौथे दिन फिर फिल्म की कमाई में बढ़ोतरी देखने को मिली. फिल्म ने 19.23 फीसदी बढ़ोतरी के साथ चौथे दिन 10.91 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है.

केएल राहुल पांचवें टेस्ट में रचेंगे इतिहास, 2 बड़े रिकॉर्ड तोड़ इस दिग्गज को छोड़ेंगे पीछे

नई दिल्ली, इंग्लैंड दौरे की शुरुआत से पहले क्रिकेट फैंस भारतीय बल्लेबाजी क्रम के कई स्थानों को लेकर चिंतित थे, लेकिन चौथे टेस्ट के बाद तीसरे नंबर की स्थिति को लेकर चिंता बनी हुई है. ओपनिंग और चौथे नंबर की स्थिति ने देश के क्रिकेट प्रशंसकों को आश्वस्त कर दिया है.भारतीय टेस्ट टीम में विराट कोहली के चौथे नंबर पर उतरने के बाद कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड में एक नई कहानी लिख रहे हैं. सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल भी कम प्रभावशाली नहीं हैं. उन्होंने मौजूदा सीरीज में अब तक आठ पारियों में 511 रन बनाए हैं. जो कि पिछले 22 वर्षों में किसी टूर पर ओपनर के रूप में सबसे अधिक है. दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने 2003 में इंग्लैंड की धरती पर एक दौरे के सलामी बल्लेबाज के रूप में 714 रन बनाए थे. पूर्व प्रोटियाज कप्तान ने पांच मैचों की 9 पारियों में ये रन बनाए थे. उसके बाद से किसी भी मेहमान टीम के सलामी बल्लेबाज ने देश में टेस्ट सीरीज में 500 रन का आंकड़ा पार नहीं

किया है. राहुल 2003 के बाद से इंग्लिश धरती पर सबसे सफल दौरा करने वाले सलामी बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने सीरीज में 63.87 की औसत से 511 रन बनाए हैं. दक्षिण भारतीय बल्लेबाज ने इंग्लैंड के खिलाफ चल रही सीरीज में पहले ही दो शतक और दो अर्धशतक बना लिए हैं. सुनील गावस्कर के नाम इंग्लिश धरती पर एक सीरीज में भारतीय सलामी बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड है. 46 साल पहले लिटिल मास्टर ने इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में 542 रन बनाए थे. राहुल को यह रिकॉर्ड तोड़ने और इंग्लैंड में एक श्रृंखला में भारतीय सलामी बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड बनाने के लिए 32 रन की जरूरत है. कुल मिलाकर भारतीय सलामी बल्लेबाज की नजरें 31 जुलाई से शुरू हो रहे ओवल टेस्ट में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने पर टिकी हैं. राहुल ओवल में सीरीज के पांचवें और अंतिम टेस्ट में पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर को एक और रिकॉर्ड से पीछे छोड़ सकते हैं. ऐसी स्थिति में कर्नाटक का यह बल्लेबाज एशियाई सलामी बल्लेबाज के रूप में इंग्लिश धरती पर सर्वाधिक रन बनाने वाला खिलाड़ी बन जाएगा. बतौर सलामी बल्लेबाज राहुल के नाम फिलहाल इंग्लिश धरती पर 24 पारियों में 1108 रन हैं.

एक नजर

बंदरों की समस्या से निजात दिलाने की उठाई मांग

नई टिहरी : जाखणीधार ब्लॉक के पट्टी ढुंगमंदार के मंदार, भटवाड़ा, म्यूंडी, कस्तल, सेमा, बडोनगांव, स्यूरी, कुमारगांव, ढुंग, मोल्ठा, गहड़, सेम्या, लासी, सैंण, पिपोला, सैंज, सुनैल्डी, चुरेंडा, सारपुल, चौंदाणा, थात, ननवां, मुसांकी आदि गांवों में लंबे समय से बंदरों की समस्या से ग्रामीण परेशान है। जाखणीधार की निवर्तमान ब्लॉक प्रमुख सुनीता देवी ने जिलाधिकारी को भेजे ज्ञापन में कहा कि आए दिन बंदरों व जंगली सुअर ग्रामीणों की खेती को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जिससे ग्रामीणों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो रहा है। बताया मंदार गांव में एक माह के भीतर बंदरों ने दो महिलाओं पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। बंदरों के कारण बुजुर्ग और बच्चों का अकेला इधर उधर जाना मुश्किल हो गया है। ग्रामीण आए दिन बंदरों से निजात दिलाने की शिकायत वन विभाग से कर रहे हैं। लेकिन वन विभाग समस्या का समाधान नहीं कर रहा है। जिस कारण ग्रामीणों को खासी दिक्कतें उठानी पड़ रही है। उन्होंने डीएम से वन विभाग के माध्यम से बंदरों को पकड़ने के लिए गांव में पिंजरा लगाने और उनका बंधियाकरण करने की मांग की।

सुशांत हेड बॉय और शिखा बनी हेड गर्ल

ऋषिकेश। रायवाला। मां आनंदमयी मेमोरियल स्कूल में इन्वेस्टिचर सेरेमनी का आयोजन किया गया। इसमें सुशांत शर्मा हेड ब्वॉय और शिखा सुदरियाल हेड गर्ल बनाई गई। बुधवार को रायवाला स्थित मॉम्स स्कूल में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व वायु सेना अधिकारी देवेश्वर रतूड़ी ने किया। उन्होंने विद्यालय की शिक्षण पद्धति, नैतिक मूल्यों और समग्र विकास पर आधारित शिक्षा प्रणाली की जानकारी दी। कहा कि शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी तीनों का सहयोग ही एक बच्चे को योग्य नागरिक बना सकता है। इसके पश्चात इन्वेस्टिचर सेरेमनी में नवनियुक्त छात्र प्रतिनिधियों को बैज पहनाकर उनके कर्तव्यों का बोध कराया गया। इसके तहत सुशांत शर्मा को हेड ब्वॉय, शिखा सुंदरियाल को हेड गर्ल, मोहम्मद शाद को स्पोर्ट्स कैप्टन, सत्यम पांडे को एक्टिविटी कैप्टन बनाया गया। छात्र–छात्राओं ने अनुशासन, नेतृत्व और सेवा भावना के प्रतीक रूप में पदभार ग्रहण किया। प्रधानाचार्य मानसी सिंघल ने सभी नवनियुक्त छात्र प्रतिनिधियों को बधाई दी।

मैस कर्मचारी की संदिग्ध मौत पर एसडीएम से कार्रवाई की मांग

उत्तरकाशी। पुरोला स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में अनुशासनहीनता का मामला सामने आया है। बुधवार को क्षेत्र के लोगों ने एसडीएम पुरोला को ज्ञापन सौंपकर विद्यालय प्रशासन और घटना में शामिल आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। बुधवार को मठ, कंडियाल गांव, समाधि मठ, बसंत नगर, पोरा सहित आसपास के ग्रामीणों ने एसडीएम पुरोला मुकेश रमोला को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि विद्यालय में लंबे समय से अनुशासनहीनता का माहौल बना हुआ है और विद्यालय प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। बताया कि 26 जुलाई को कुछ अराजक तत्व विद्यालय परिसर में घुस गए और एक मेस कर्मचारी के साथ बेरहमी से मारपीट की। घायल कर्मचारी ने गंभीर मानसिक आघात और अवसाद की स्थिति में संदिग्ध परिस्थितियों में दम तोड़ दिया। ग्रामीणों का कहना है कि यह मौत आत्महत्या के साथ ही मारपीट करने वालों ने ही हत्या की हो इसका भी अंदेशा है, जिसकी गहन जांच होनी आवश्यक है। ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय में लड़ाई झगड़े की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इससे विद्यालय का माहौल बिगड़ता जा रहा है और छात्रों की शिक्षा व सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग गया है। ग्रामवासियों ने 26–27 जुलाई को हुई घटना में शामिल विद्यालय कर्मचारियों और प्रबंधन के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

भालू पहुंचा रहे सेब के पेड़ो को नुकसान

उत्तरकाशी। मोरी के गोविंद वन्य जीव विहार राष्ट्रीय पार्क क्षेत्र के ग्रामीण भालुओं के आतंक से बेहद परेशान हैं। भालू बगीचों में ग्रामीणों की नकदी फसलें सेब, नाशपाती आदि को भारी नुकसान पहुंचा रहे। इससे बागवान चिंतित हैं। फिताड़ी गांव के समलोरी, माईथातरा एवं सिंदरी के जडासड़ा तोक में भालुओं ने दर्जनों सेब के पेड़ों को नुकसान पहुंचाया है।

ग्रामीण जगदीश राणा, नरेंद्र सिंह पंवार, सूरज रावत आदि ने जिलाधिकारी को पत्र लिखा कि भालुओं से द्वारा फसलों को पहुंचाए गए नुकसान का उचित मुआवजा दिया जाए।

अतिक्रमण से सिकुड़ रहा पनियाली गदेरा, नोटिस तक सिमटा सिस्टम

● कोटद्वार शहर में तीन किलोमीटर के हिस्से में बह रहा पनियाली गदेरा ● बरसात में विकराल बनकर बह रहे पनियाली गदेरे से जानमाल का खतरा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर के मध्य तीन किलोमीटर के हिस्से में बहने वाला पनियाली गदेरा अतिक्रमण के कारण लगातार सिकुड़ता जा रहा है। हालत यह है कि प्रत्येक वर्ष सरकारी सिस्टम अतिक्रमण को चिह्नित करने के साथ ही नोटिस थमाकर अपनी जिम्मेदारी को समाप्त कर देता है। जबकि, आज तक धरातल पर अतिक्रमण को हटाने की सुध नहीं ली गई।

नतीजा, इस बरसात में भी गदेरा जान-माल के लिए खतरा बना हुआ है। ऊफान पर बहने वाले गदेरे से आसपास के लोगों की नींद ही उड़ गई है।

कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत देवी रोड में उफान पर बहता पनियाली गदेरा

लैंसडौन वन प्रभाग की कोटद्वार रेंज के जंगलों से निकल पनियाली गदेरा नगर के मध्य से होता हुआ खोह नदी में मिलता है। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के समीप से गदेरा नगर निगम क्षेत्र में प्रवेश करता है। इसके बाद शिवपुर, आमपड़ाव, मानपुर, सिताबपुर, काशीरामपुर, कौड़िया क्षेत्रों से होता हुआ खोह नदी तक पहुंचता है। जंगल से जैसे ही यह गदेरा शहर में प्रवेश करता है, गदेरे का आकार सिकुड़ने लगता है। इसका मुख्य कारण गदेरे में लगातार बढ़ता अतिक्रमण है। दरअसल, वर्षा के दौरान ऊफान पर बने पनियाली गदेरे पर वर्षा के जल को निकलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल पाती। जिससे पानी भारी मलबे को लेकर आबादी में घुस जाता है। इससे आबादी क्षेत्र को भारी नुकसान झेलना पड़ता है।

केवल नोटिस तक सिमटा सरकारी तंत्र

पनियाली गदेरे को अतिक्रमण मुक्त करने के नाम पर सरकारी सिस्टम केवल नोटिस व अतिक्रमण चिह्नित करने तक ही सीमित है। 2017 में आई प्राकृतिक आपदा के बाद सिंचाई विभाग ने पनियाली गदेरे में आमपड़ाव से कौड़िया के मध्य 130 अतिक्रमण चिह्नित किए। लेकिन, किसी भी अतिक्रमण को हटाया नहीं गया। 2023 में पुनः विभाग ने अतिक्रमण चिह्निकरण की कार्रवाई करते हुए 156 अतिक्रमण चिह्नित किए। लेकिन, पूर्व की भांति इस मर्तबा भी विभाग अतिक्रमणकारियों को नोटिस देने तक ही सिमट कर रह गया। वर्तमान में गदेरे पर 165 से अधिक अतिक्रमण मौजूद हैं

पनियाली गदेरे में हुए हादसे

1. वर्ष 1988 में पनियाली गदेरे में आई बाढ़ से दो लोगों की मौत। गदेरे से सटे क्षेत्रों में भारी नुकसान
2. वर्ष 1993-94 में गदेरे में आई बाढ़ से निचले क्षेत्रों में कई घरों में पानी भर गया। कोई जनहानि तो नहीं हुई, लेकिन लोगों को काफी आर्थिक नुकसान हुआ।
3. 16 सितंबर 2012 को सूर्या नगर में बनी पुलिया के कारण गदेरे का पानी सूर्या नगर व कौड़िया क्षेत्र में भरा, भारी नुकसान।
4. अगस्त 2017 को पनियाली गदेरे से आई बाढ़ के कारण सात लोगों की मौत, पूरे क्षेत्र में जलभराव, हजारों घरों में भरा मलबा।
5. अगस्त 2018 में पनियाली गदेरे के ऊफान पर आने के बाद कई घरों में मलबा घुसा, एक महिला की मौत।
6. जुलाई 2019 में घर में गदेरे का पानी भर जाने के बाद सामान बाहर निकाल रहे तीन युवकों की करंट लगने से मौत।
7. सात अगस्त 2023 में पनियाली गदेरे ने कौड़िया क्षेत्र में जमकर उत्पात मचाया है।

गदेरे के तेज बहाव में गढ़वाल राइफल्स रेजीमेंटल सेंटर के विक्टोरिया क्रास विजेता गबर सिंह कैंप को राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने वाली पुलिया बह गई। साथ ही कुछ आवासों को भी नुकसान पहुंचा।

बंदीला गांव में बाघ की दहशत, घरों में कैद ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पर्वतीय क्षेत्रों में बाघ की धमक थमने का नाम नहीं ले रही। द्वारीखाल ब्लॉक के अंतर्गत बंदीला गांव में पिछले कई दिनों से बाघ की धमक बनी हुई है। आए दिन बाघ ग्रामीणों के मवेशियों को अपना निवाला बना रहा है। ग्रामीणों ने वन विभाग से बाघ के आतंक से निजात दिलवाने की मांग की है। बंदीला गांव के जय सिंह की गाय जंगल में चरने गई थी, देर शाम तक जब गाय वापस नहीं आई तो ग्रामीणों ने गाय की तलाश शुरू की। तलाश करने पर गाय जंगल में मृत अवस्था में पड़ी मिली। गाय पर बाघ के हमले के निशान थे। ग्रामीणों घटना की सूचना प्रभागीय वनाधिकारी लैंसडौन को दी। ग्रामीणों ने कहा कि बाघ ग्रामीणों पर भी हमला कर सकता है। ग्रामीणों को सुरक्षा को देखते हुए क्षेत्र में वन कर्मियों की गश्त बढ़ाई जाए, साथ ही बाघ को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया जाए।

सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग मचाने वालों पर हुई कार्रवाई

कोतवाली पुलिस की हिरासत में हुड़दंग मचाने वाले आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शराब के नशे में सार्वजनिक स्थानों में हुड़दंग मचाने वालों के खिलाफ पुलिस की ओर से चेतावनी दी गई। कहा कि शहर में कानून व्यवस्था बनाने के लिए पुलिस का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार के नेतृत्व में मंगलवार रात शहर में अभियान चलाया गया। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों के साथ ही पार्क व जंगल से सटे इलाकों में छापेमारी की गई। अभियान के दौरान 12 व्यक्ति सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीते हुए दिखाई दिए। व्यक्तियों को पुलिस कोतवाली लेकर आई और उनके खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने जगह-जगह छापेमारी कर कई लोगों के खिलाफ कार्रवाई की। साथ ही भविष्य में दोबारा इस तरह की हरकत न करने की भी शहर में कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान जनता से भी सहयोग की अपील की जा रही है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर गिरा बोल्डर, घंटों लगा रहा जाम

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य दुर्गा मंदिर के समीप गिरा बोल्डर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बरसात के मौसम में कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग का सफर चुनौती बनता जा रहा है। बुधवार दोपहर दुर्गा मंदिर के समीप पहाड़ी से भारी बोल्डर हाईवे पर आ गिरा।

जिसके कारण राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर वाहनों का जाम लगा रहा। जाम में फंसे यात्री घंटो मार्ग खुलने का इंतजार करते रहे। राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने बोल्डर को हटाकर यातायात सुचारु करवाया।

कोटद्वार–दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग से बोल्डर को हटाती एनएच विभाग की जेबीसी

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य 15 किलोमीटर के सफर में बीस से अधिक डेंजर जोन बने हुए हैं। कुछ दिन पूर्व भी बरसात के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर जगह-जगह बोल्डर गिर गए है। ऐसे में बुधवार दोपहर करीब एक बजे अचानक बोल्डर हाईवे पर गिर गया। जैसे ही हाईवे पर बोल्डर गिरा वाहन चालकों में आफरा-तफरी मच गई। दोपहिया वाहन चालक मौके पर ही अपने वाहनों को छोड़कर भागने लगे। भारी बोल्डर गिरने के बाद भी स्थान पर लगातार पत्थर व मलबा गिर रहा था। जिससे अन्य वाहन चालकों ने भी उक्त स्थान से दूरी बना ली थी। सूचना के बाद एनएच विभाग ने मौके पर जेसीबी मशीन भिजवाई। मशीन की मदद से मलबे व बोल्डर को हटाकर यातायात खुलवाया गया। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर वाहनों का लंबा जाम लगा हुआ था।

शहर में ऑनलाइन व्यापार का किया विरोध

कोटद्वार में प्रशासनिक अधिकारी के माध्मय से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजते व्यापारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में ऑनलाइन व्यापार का स्थानीय व्यापारियों ने विरोध किया है। कहा कि ऑनलाइन व्यापार से छोटे व्यापारियों को नुकसान झेलना पड़ रहा है। ऐसे में आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। कहा कि ऑनलाइन व्यापार बड़े महानगरों तक ही ठीक है। कोटद्वार जैसे छोटे शहर में इसे बंद किया जाना चाहिए।

इस संबंध में व्यापारियों ने प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। कहा कि वर्तमान में कोटद्वार जैसे छोटे शहर में ऑनलाइन व्यापार लगातार बढ़ता जा रहा है। क्षेत्र में ब्लैंकिट सहित कई कंपनियां ऑनलाइन व्यापार कर रही है। जिसका सीधा असर छोटे व मंझोले व्यापारियों के व्यवसाय पर पड़ रहा है। कंपनियों के ऑनलाइन व्यापार से स्थानीय व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। कहा कि पांच लाख से कम आबादी वाले शहरों में ऑनलाइन व्यापार करने वाली कंपनियां प्रतिबंधित होनी चाहिए। व्यापारियों के हित को देखते हुए सरकार को इस ओर जल्द से जल्द ध्यान देना चाहिए। इस मौके पर पारस वेदी, शोभित अग्रवाल सहित कई व्यापारी मौजूद रहे।

मानव तस्करी को लेकर निकाली जागरुकता रैली

श्रीनगर गढ़वाल : उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देश पर बुधवार को तहसील विधिक सेवा समिति की अध्यक्ष एवं सिविल जज अलका के नेतृत्व में मानव तस्करी के विरुद्ध नगर क्षेत्र में जागरूकता रैली निकाली गई।

रैली राजकीय बालिका इंटर कॉलेज से गोला बाजार, काला रोड़, राष्ट्रीय राजमार्ग से होते हुए राबाइंका श्रीनगर के सभागार में सम्पन्न हुई। जागरूकता रैली में छात्राओं ने लोगों को बाल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। तहसील विधिक सेवा समिति की अध्यक्ष एवं सिविल जज अलका ने बाल सुरक्षा यात्रा विशेष अभियान के मुख्य उद्देश्य के बारे में बताया और छात्राओं को उनके मौलिक अधिकारों, बाल श्रम कानून, फैक्ट्री कानून, किशोर न्याय अधिनियम के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर बार एसोशिएशन अध्यक्ष प्रमेश चन्द्र जोशी, संरक्षक अनूप श्री पांथरी, वरिष्ठ उपनिरीक्षक भुवन चन्द्र पुजारी, खंड शिक्षा अधिकारी अश्वनी रावत, राबाइंका प्रधानाचार्य सुमन लता पंवार, पूनम हटवाल, प्रियंका रॉय, प्रकाश नेगी आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

मतगणना हॉल में नहीं जा पायेंगे मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण

जिला प्रशासन ने पूरी की मतगणना की सभी तैयारियां

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पंचायत चुनावों को लेकर गुरुवार को होने वाली मतगणना को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने बुधवार को समीक्षा की। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी रिटर्निंग अफसरों को निर्देश दिए कि मतगणना हॉल की बैरिकेडिंग और सीसीटीवी कैमरों की संख्या पर्याप्त रखी जाए, ताकि पूरा कक्ष कवर हो सके। बताया कि किसी को भी मोबाइल फोन या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मतगणना हॉल में ले जाने की अनुमति नहीं होगी, ऐसे उपकरणों को अलग कक्ष में जमा कराएं जाएं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने हर मतगणना केंद्र पर कंप्यूटर, प्रिंटर, कंप्यूटर ऑपरेटर आदि की व्यवस्था भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने को कहा। डीएम ने कहा कि किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में वीडियोग्राफी जरूर करवाई जाए। मतगणना केंद्र पर निर्बाध बिजली सप्लाई से लेकर वैकल्पिक जनरेटर की व्यवस्था, पेयजल आदि को भी सुनिश्चित किया जाए। कहा कि सभी ब्लाक मुख्यालयों में मीडिया कॉर्नर बनाएं जाए। हर राउंड के बाद मतगणना कार्य को क्रमबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाए। मतगणना केंद्रों में तहसीलदार, नायब तहसीलदार व जोनल मजिस्ट्रेटों की तैनाती रहेगी। अफसरों को चेक लिस्ट के आधार पर व्यवस्थाओं की अंतिम पुष्टि करने को भी कहा गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान टाई की स्थिति में विवाद की संभावना को समाप्त करने के लिए पर्ची निकालने की प्रक्रिया पूरी पारदर्शी रखी जाए और सभी प्रत्याशियों को यह प्रक्रिया स्पष्ट रूप से समझा ली जाए। बैठक में सीडीओ गिरीश गुणवंत, डीडीओ मनविंदर कौर, जिला पर्यटन विकास अधिकारी खुशाल सिंह नेगी, आरओ पौड़ी रोहित डुबरिया, सहायक निर्वाचन अधिकारी पंचस्थानी ललित मोहन गोदियाल, बीडीओ पौड़ी सौरभ हांडा, एडीआईओ एनआईसी हेमंत काला आदि अफसर मौजूद रहे।

आरओ लेगें पुर्नगणना का निर्णय

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतगणना के दौरान जल्दबाजी या घबराहट से बचा जाए। मतगणना में केवल आरओ व एआरओ की टेबल पर ही मतों की अस्वीकृति की प्रक्रिया हो। बैठक में प्रशिक्षण के नोडल अफसर दीपक रावत ने बताया कि जोनल अधिकारी मतगणना के दिन भी शांति व्यवस्था बनाने के लिए सक्रिय रहेंगे। पंचायतवार चार्ट के अनुसार ही मतगणना पेटियां व्यवस्थित की जाएगी। कहा कि पुर्नगणना की स्थिति में आरओ कारण स्पष्ट करते हुए निर्णय लेंगे। हर राउंड का परिणाम क्रमवार व प्रत्याशीवार घोषित होगा।

विजयी प्रत्याशियों के जुलूस और रैली पर रहेगा प्रतिबंध

नई टिहरी : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर दी हैं। विजयी होने वाले प्रत्याशी जुलूस और रैली नहीं निकाल पाएंगे। सुरक्षा को लेकर भी मतणगना केंद्रों पर पुलिस का कड़ा पहरा रहेगा।

मतगणना केंद्र के 200 मीटर परिधि में केवल ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों, कर्मचारियों के वाहनों को ही प्रवेश दिया जाएगा। वीरवार को जिले के 45 में से 43 जिला पंचायत सदस्यों, 700 ग्राम प्रधान समेत 319 क्षेत्र पंचायत सदस्यों का चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की मतों की गणना संबंधित ब्लॉकों में संपन्न होगी।

निर्वाचन अधिकारी निकिता खंडेलवाल ने बताया कि जाखणीधार ब्लॉक मुख्यालय टिपरी में 12 टेबल, जौनपुर ब्लॉक के राजकीय इंटर कॉलेज थत्यूड़ में 16 टेबल, थौलधार के ब्लॉक कार्यालय में 14 टेबल, देवप्रयाग के राजकीय इंटर कॉलेज हिंडोलाखाल में 14 टेबल, प्रतापनगर के जीआइसी प्रतापनगर में 14 टेबल, चंबा के ब्लॉक सभागार में 14 टेबल, कीर्तिनगर ब्लॉक सभागार में 8 टेबल, नरेंद्रनगर के ब्लॉक मुख्यालय फकोट में 14 टेबल और भिलंगना ब्लॉक मुख्यालय सभागार 16 टेबलों में मतगणना होगी। बताया कि निर्वाचन परिणाम को ऑनलाइन मोड में प्रेषण के लिए मतगणना स्थल में कंप्यूटर कक्ष स्थापित करते हुए पर्याप्त मात्रा में कम्प्यूटर, प्रिंटर, नेट कनेक्टिविटी, स्केनर और जनरेटर की व्यवस्था करने, मतगणना कक्ष में सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से पूरे मतगणना प्रक्रिया की वीडियोग्राफी के निर्देश दिए हैं।

पंचायत चुनाव मतगणना पर होगी कड़ी सुरक्षा

चमोली : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना के दौरान शान्ति और सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम रहेंगे। बुधवार को चमोली के पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने वीडियो कॉल के माध्यम से जनपद के सभी क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर मतगणना के दिन की सुरक्षा एवं व्यवस्था से जुड़े आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बताया चुनाव अधिकारी द्वारा सभी प्रत्याशियों को मतगणना केंद्र पर प्रवेश हेतु अधिकृत फोटोयुक्त पास जारी किए गए हैं। बिना पास किसी भी व्यक्ति को मतगणना केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। मतगणना स्थल के अंदर केवल वही उम्मीदवार या उनके अभिकर्ता प्रवेश कर सकेंगे, जिनके पास अधिकृत पास होंगे। (एजेंसी)

संस्था ने ग्रास्टनगंज में किया पौधा रोपण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : हरेला पर्व के तहत कल्पतरु सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था की ओर से ग्रास्टनगंज स्थित दशहरा मैदान में पौधा रोपण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान संस्था ने अन्य लोगों को भी पौधा रोपण के प्रति जागरूक किया। कहा कि हमें पौधा रोपण के साथ ही उसके संरक्षण पर भी ध्यान देना चाहिए।

संस्था की अध्यक्ष कल्पना मजेड़ा के नेतृत्व में पौधा रोपण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान तीस से अधिक छायादार व फलदार पौधों का रोपण किया गया। संस्था की अध्यक्ष कल्पना मजेड़ा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें अधिक से अधिक पौधों का रोपण करना चाहिए। बिना पर्यावरण संरक्षण हम धरती पर जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। कहा कि हमें केवल पौधा रोपण तक ही सीमित नहीं रहना है। बल्कि, पौधों के बड़े होने तक की जिम्मेदारी भी हमें ही निभानी है। कहा कि हरेला पर्व पर संस्था लगातार पौधा रोपण अभियान चला रही है। साथ ही पौधा रोपण के लिए आमजन को भी जागरूक किया जा रहा है। संस्था ने आम, लीची, जामुन, इमली सहित अन्य प्रजाति के पौधा का रोपण किया। इस मौके पर कलावती बिष्ट, दीपा, सुषमा, सुशीला, विमला, शांति, शीशपाल, कमल बिष्ट, सतीश चंद्र मौजूद रहे।

कोटद्वार के ग्रास्टनगंज में पौधा रोपण अभियान चलते संस्था के सदस्य

मुसीबत बनी सीवर लाइन, दुकानों में बैठना भी मुश्किल

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में साठ के दशक में बिछाई गई सीवर लाइन आमजन के लिए मुसीबत बन रही है। हालत यह है कि आए दिन सीवर लाइन चोक होने से सड़क पर गंदगी जाम हो रही है। सबसे अधिक परेशानी स्टेशन रोड पर बनी हुई है। दुर्गंध के कारण व्यापारियों का प्रतिष्ठानों में बैठना भी मुश्किल हो जाता है।साठ के दशक में जब शहर में सीवर लाइन बिछी तो उस समय शहर की आबादी मात्र पांच से सात हजार थी। लेकिन, वर्तमान में जनसंख्या बढ़कर लाखों में पहुंच गई है। जनसंख्या में तो विस्तार हुआ। लेकिन, सीवर लाइन साठ के दशक की ही चल रही है। ऐसे में शहर में प्रतिदिन सीवर लाइन चोक होने की समस्या बनी रहती है। स्टेशन रोड में आए दिन सीवर लाइन चोक होने की समस्या बनी रहती है। सीवर लाइन चोक होने से गंदगी सड़क पर बहने लगी। ऐसे में स्टेशन रोड से आवागमन करने वालों को परेशानियों को सामना करना पड़ा। दुर्गंध के कारण राहगीर नाक पर रुमाल लगाकर आवागमन करते रहे थे। वाहनों के टायर से छींटे राहगीरों के ऊपर गिर रहे थे। स्टेशन रोड व्यापारियों का भी अपने प्रतिष्ठानों में बैठना मुश्किल हो गया था। मजबूरी में कई व्यापारियों को दोपहर बाद अपने प्रतिष्ठान बंद करने पड़े। स्थानीय निवासी सौरभ सिंह, मयंक ने बताया कि समस्या से कई बार नगर निगम व जल संस्थान को अवगत कराया चुके है। लेकिन, आज तक सीवर लाइन चोक से समस्या से निजात दिलवाने के लिए गंभीरता नहीं दिखाई गई।

कोटद्वार के स्टेशन रोड में सीवर लाइन चोक होने से सड़क पर बहता गंदा पानी

प्रिंस चौक पर डी–वाटरिंग पंप कारगर साबित

देहरादून। जिला प्रशासन द्वारा 07 एजेंसियों को उपलब्ध कराए गए 17–हाई स्पीड डी–वाटरिंग पंप जलभराव की समस्या से निपटने में कारगर साबित हो रहे है। अतिवृष्टि के कारण पानी जमा होने पर डी–वाटरिंग पंप से कम से कम रिसपांस टाइम में समस्या का निस्तारण होने लगा है। विगत 29 जुलाई को देहरादून के प्रिंस चौक पर जलभराव होने पर क्यूआरटी ने स्मार्ट सिटी और पीआईयू के साथ मिलकर पहली बार प्रिंस चौक में प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए हाई स्पीड डी–वाटरिंग पंप का इस्तेमाल किया। हाई स्पीड डी–वाटरिंग पंप से जलभराव समस्या का कुछ ही मिनटों में निस्तारण किया गया और आवगमन को सुचारू किया गया। डी–वाटरिंग पंप से जमा पानी को प्रभावी तरीके से निकासी की गई।

जलभराव क्षेत्रों में क्यूआरटी का नियमित निरीक्षण जारी

जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशों पर शहरी इलाकों में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए क्यूआरटी तत्परता से जुटी है। विगत 29 जुलाई को अतिवृष्टि होने पर क्यूआरटी ने रिस्पना कैचमेंट, चंद्रबनी क्षेत्र, आईएसबीटी और बंजारावाला, आरकेडिया ग्रांट क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया गया। क्यूआरटी सदस्य मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि इनमें से किसी भी स्थान पर जलभराव की समस्या नही पाई गई।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र तनिष्क पटवाल पुत्र दलबीर सिंह का नाम आधार कार्ड में आर्यन पटवाल दर्ज है। आर्यन पटवाल और तनिष्क पटवाल दोनों नाम मेरे पुत्र के ही नाम है। आर्यन पटवाल मेरे पुत्र का घरेलू नाम है तथा मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम तनिष्क पटवाल है, जो कि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज है। अतः मेरे पुत्र के आधार कार्ड संख्या 2501 6208 0149 में मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम तनिष्क पटवाल दर्ज किया जाय।

आशा देवी पत्नी दलबीर सिंह
निवासी ग्राम फल्दा, पोस्ट ऑफिस कल्जीखाल, तहसील पौड़ी, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(1129/21)

संक्षिप्त समाचार

हल्द्वानी की मीमांशा बनीं युवा कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव

हल्द्वानी। भारतीय युवा कांग्रेस ने नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में हल्द्वानी की मीमांक्षा आर्या को राष्ट्रीय सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी है। हल्द्वानी कुसुमखेड़ा निवासी मीमांक्षा युवा कांग्रेस की निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। मीमांशा ने अपनी राजनीतिक यात्रा की शुरुआत हल्द्वानी एमबीपीजी कॉलेज में छात्र संघ चुनाव लड़कर की थी। इसके बाद उन्होंने एनएसयूआई, महिला कांग्रेस और युवा कांग्रेस में लगातार विभिन्न दायित्व निभाए। मीमांशा ने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए गर्व और विश्वास का प्रतीक है और वह इसे पूरी निष्ठा और गरिमा से निभाते हुए कांग्रेस को और मजबूत बनाने का प्रयास करेंगी। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल, युकां के राष्ट्रीय प्रभारी कृष्णा अल्लावरू और राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु चिब का आभार जताया है। पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा, प्रदेश अध्यक्ष करण मेहरा, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, हल्द्वानी विधायक सुमित हृदेश, उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी, पूर्व विधायक रंजीत रावत आदि ने शुभकामनाएं दी हैं।

कंडोली के वाटर टैंक से लीकेज हो रहा लगातार पानी

विकासनगर। ग्राम पंचायत कंडोली में जल जीवन मिशन के तहत बना वाटर टैंक काफी समय से ओवरफ्लो होकर बह रहा है। जिससे हर दिन लाखों लीटर बर्बाद हो रहा है। ग्रामीण कई बार इसकी शिकायत जलसंस्थान से कर चुके हैं, लेकिन विभाग आंखे मूंदे बैठा हुआ है। विभाग की लापरवाही के कारण टैंक भी खतरे की जद में आ चुका है। लेकिन इसके बाद भी विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। पछवादून के कई ग्राम पंचायतें ऐसी हैं जो पेयजल की समस्या से जूझ रही हैं। वहीं कई जगह लाखों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। इसका उदाहरण ग्राम पंचायत कंडोली में देखने को मिल रहा है। यहां जल जीवन मिशन के तहत वाटर टैंक बनाया हुआ है जो काफी समय से लीक हो रखा है। साथ ही यह ओवर फ्लो भी हो रहा है। लीकेज और ओवर फ्लो होने के कारण हर दिन लाखों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। कई बार स्थानीय लोग इसकी शिकायत कर चुके हैं, लेकिन इसके बाद भी जल संस्थान कोई सुध नहीं ले रहा है। जबकि पानी के लगातार रिसाव के कारण यहां दो पेड़ भी गिर चुके हैं। अब टैंक भी खतरे की जद में आ गया है, लेकिन विभाग आंखे मूंदे बैठा है। सामाजिक कार्यकर्ता राजकुमार मधवान ने बताया कि बड़ी मुश्किल से योजना के तहत टैंक बनाया गया था। कहा कि विभाग की लापरवाही के कारण इस क्षेत्र की जनता को दोबारा पेयजल संकट से जूझना पड़ सकता है। कहा कि विभाग जल्द ही अगर टैंक की सुध नहीं लेता तो स्थानीय ग्रामीण आंदोलन को बाध्य होंगे।

104वां स्थापना दिवस के मौके पर किया रक्तदान

हल्द्वानी। नैनीताल बैंक लिमिटेड शनिवार 31 जुलाई को अपना 104वां स्थापना दिवस उत्साह और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ मनायेगा। इसको लेकर स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय हल्द्वानी के तत्वावधान में डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल के सहयोग से बुधवार को रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 50 से अधिक बैंक कर्मचारियों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। क्षेत्रीय प्रबंधक राहुल प्रधान ने बताया कि स्वास्थ्य और योग को बढ़ावा देने के लिए कुमाऊं क्षेत्र में 10 से अधिक निशुल्क चिकित्सा व योग शिविर लगाए गए। उप क्षेत्रीय प्रबंधक आशीष भट्ट ने कहा कि गुरुवार को स्थापना दिवस पर भव्य रैली का आयोजन होगा।

साधु के वेश में धूम रहा कर्नाटक का ढोंगी बाबा गिरफ्तार

विकासनगर। ऑपरेशन कालनेमि के तहत सहसपुर पुलिस ने एक साधुवेश धारी कर्नाटक के व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी खुद को हस्त शास्त्र का ज्ञाता बताकर लोगों को ठगने का काम करता था। आरोपी के पास कोई आईडी भी नहीं थी। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। कोतवाल सहसपुर शंकर सिंह बिष्ट ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर ऐसे व्यक्तियों जो साधु–संतों का भेष धारण कर लोगों को विशेषकर महिलाओं व युवाओं को भ्रमित कर उनकी व्यक्तिगत अथवा घरेलु समस्याओं का निदान करने का प्रलोभन देने और वशीभूत करते हुए उनके साथ ठगी की घटनाओं को अजांम दे रहे हैं, के खिलाफ ऑपरेशन कालनेमि चलाया जा रहा है। बताया कि इसी क्रम में बुधवार को विकासनगर से सहसपुर की तरफ आ रहे एक लाल रंग को कपड़े पहने साधु को पकड़कर पूछताछ की गई।

15 ब्लॉकों में होने वाली मतगणना के लिए पुलिस की तैयारियां पूरी

मतगणना को लेकर सुरक्षा व्यवस्थाओं के किये गये हैं पुख्ता इंतजाम

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला पुलिस ने गुरूवार को जनपद के 15 ब्लॉकों में होनी वाली मतगणना को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली है। मतगणना प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की व्यवधानरहित, शांतिपूर्ण व पारदर्शी व्यवस्था बनाए रखने हेतु पौड़ी पुलिस द्वारा व्यापक रूप से सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं। प्रत्येक मतगणना स्थल पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, पीएसी एवं होमगार्ड जवानों की तैनाती की गई है, जिससे मतगणना की प्रक्रिया को निर्वाचन की भांति ही सकुशल शांतिपूर्वक एवं निर्विघ्न रूप से सम्पन्न किया जा सके ।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने मतगणना स्थलों के समस्त जोनल

अधिकारियों को अपने-अपने ब्लॉकों में सुरक्षा व्यवस्था ड्यूटी में लगे समस्त पुलिस बल को ब्रीफ कर आवश्यक दिशा निर्देश देने हेतु निर्देशित किया गया है। मंगलवार को जनपद के 15 ब्लॉकों में ड्यूटी पर नियुक्त पुलिस कर्मियों की संबंधित जोनल प्रभारियों द्वारा सभी कर्मियों को मतगणना के लिए सतर्कता, विधि व्यवस्था बनाए रखने, भीड़ प्रबंधन तथा चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान बताया गया कि अधिकृत व्यक्तियों को छोड़कर कोई भी अन्य व्यक्ति मतगणना स्थल पर मोबाइल फोन, कैमरा, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को लेकर नहीं जाएगें। कोई भी व्यक्ति मतगणना स्थलों के आसपास शस्त्र अथवा ज्वलनशील पदार्थ या संदिग्ध सामग्री के साथ मतगणना स्थल में प्रवेश न कर सके। प्रवेश द्वारों पर सघन चेकिंग की जाए, यदि किसी भी व्यक्ति की गतिविधि या वस्तु संदिग्ध प्रतीत हो, तो तत्काल उसे रोकते हुए विधिसम्मत रूप से जांच की जाए, सभी सुरक्षाकर्मी अपने निर्धारित ड्यूटी स्थल पर मुस्तैदी से तैनात रहें और ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना करें, किसी भी आपात स्थिति या अशांति की सूचना शीघ्र अपने उच्चाधिकारियों को दी जाए, मतगणना स्थल की सुरक्षा, निष्पक्षता व शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना प्रथम प्राथमिकता है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने बताया कि मतगणना में राजपत्रित अधिकारी-06, निरीक्षक/थानाध्यक्ष-19, उप /अपर उप निरीक्षक-71, मुख्य आरक्षी/आरक्षी- 262, एलआईयू-15, फायर कर्मी-30, होमगार्ड-316, पीआरड़ी-304 एवं 01 कम्पनी पीएसी की डयूटी लगाई गई है।

मतगणना की तैयारियां पूरी, आज होगी मतगणना

9 विकासखंडों में 83 टेबलों पर होगी मतगणना

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना को लेकर चमोली जिले के सभी नौ ब्लॉकों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 31 जुलाई को प्रातः 8 बजे से विकासखंड मुख्यालयों पर मतगणना कार्य प्रारम्भ किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि जिले में सभी नौ विकासखंड मुख्यालयों पर मतगणना के लिए कुल 83 टेबल लगाई गई हैं। जबकि मतगणना के कार्य को सुचारु और शांतिपूर्ण रूप से संपादित करने के लिए 93 मतगणना सुपरवाइजर और 372 मतगणना सहायकों की तैनाती की

गई है। इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभी मतगणना केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है।

ब्रेन ट्यूमर उपचार में नवीनतम प्रगति से रूबरू हुए चिकित्सक

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश के तत्वावधान में न्यूरो–ऑन्कोलॉजी विषय पर उच्चस्तरीय राष्ट्रीय सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने ब्रेन ट्यूमर की देखभाल से जुड़ी नवीनतम चिकित्सीय और तकनीकी प्रगति के बारे में जाना। राष्ट्रीय स्तर के इस प्रतिष्ठित आयोजन में देशभर के प्रमुख न्यूरो सर्जनों और न्यूरो विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया।

उन्होंने ब्रेन ट्यूमर के प्रबंधन में नवाचार, नैदानिक श्रेष्ठता एवं बहुविषयी सहयोग के महत्व पर चर्चा की। बुधवार को देहरादून स्थित हयात रीजेंसी में एम्स ऋषिकेश के न्यूरो सर्जरी विभाग द्वारा आयोजित नेशनल सीएमई कार्यक्रम का शुभारंभ एम्स ऋषिकेश की कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह ने किया। उन्होंने रोगी–केंद्रित, एकीकृत देखभाल मॉडल को न्यूरो–ऑन्कोलॉजी की रीढ़ बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऋषिकेश एम्स के न्यूरो सर्जरी विभाग की पहल पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी न्यूरो चिकित्सा की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगी। इसमें प्रशिक्षण प्राप्त करने आए सभी न्यूरो चिकिसकों को लाभ प्राप्त होगा। एम्स ऋषिकेश न्यूरो सर्जरी विभाग के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. जितेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि कार्यक्रम में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इनमें देश के अग्रणी संस्थानों के अनुभवी न्यूरो सर्जन, रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट, न्यूरोपैथोलॉजिस्ट और न्यूरो–इंटरवेंशन विशेषज्ञ शामिल हैं। संगोष्ठी के सत्रों में सर्जिकल नवाचार, इंटरवेंशनल तकनीक, ग्लिओमा अनुसंधान, बाल मस्तिष्क ट्यूमर प्रबंधन तथा न्यूरोपैथोलॉजी और रेडिएशन थेरेपी जैसे विषयों पर चर्चा हुई। इस मौके पर न्यूरो सर्जरी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. रजनीश अरोड़ा, एडिशनल प्रोफेसर डॉ. निशांत गोयल, एनएसआई अध्यक्ष प्रो. मानस पाणिग्रही, एनएसआई एजुकेशन बोर्ड अध्यक्ष डॉ. द्वारकानाथ श्रीनिवास, मानद कोषाध्यक्ष डॉ. सुमित सिन्हा, डॉ. आनंद बालासुब्रह्मण्यम, डॉ. विवेक टंडन, डॉ. आनंद मोहन ठाकुर और डॉ. संजीव पांडेय आदि उपस्थित रहे। फोटो कैप्शन 31 आरएसके 18– बुधवार को देहरादून स्थित हयात रीजेंसी में एम्स ऋषिकेश द्वारा आयोजित सीएमई में शिरकत करती एम्स निदेशक प्रो. मीनू सिंह व अन्य।

स्ट्रांग रूम और मतगणना स्थल पर कैमरों से निगरानी

ऋषिकेश। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना से पहले प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। स्ट्रांग रूम से लेकर मतगणना स्थल तक 'तीसरी आंख' यानी सीसीटीवी कैमरों से 24 घंटे निगरानी की जा रही है। खंड विकास अधिकारी सोनम गुप्ता ने कहा कि स्ट्रांग रूम के बाहर, गलियारों और मतगणना कक्षों में कैमरे लगाए गए हैं। कंट्रोल रूम से हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। मतगणना वाले दिन किसी भी अव्यवस्था से बचने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। दौरान पुलिस, पीएसी और मजिस्ट्रेट की तैनाती रहेगी। इसके साथ किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार ने बताया कि निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतगणना के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

पर्यटन विभाग बनायेगा धार्मिक स्थलों का मास्टर प्लान

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में प्रमुख सचिव आरके सुधांशु ने सचिव पर्यटन को सभी धार्मिक स्थलों पर भीड़ नियंत्रण, प्रवेश-निकास व्यवस्था सहित अन्य जरूरी सुविधाएं जुटाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करने के आदेश जारी कर दिए हैं। गत 27 जुलाई को हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर में हुई दुःखद दुर्घटना के तत्काल बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मौका मुआयना कर, स्थिति का जायजा लिया था। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उत्तराखंड के प्रमुख तीर्थ स्थलों पर आने वाले यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए विस्तृत मास्टर प्लान बनाने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में मंगलवार को प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री आरके सुधांशु ने सचिव पर्यटन को आदेश जारी करते हुए, जल्द से जल्द इस दिशा में कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए है। इसमें खासकर ऐसे तीर्थ स्थलों को शामिल किया जाएगा, जहां ज्यादा तीर्थयात्री आते हैं। मास्टर प्लान के निर्माण और इसके क्रियान्वयन में दोनों मंडलों के मंडलायुक्तों का विशेष तौर पर सहयोग लेने के लिए कहा गया है। साथ ही स्पष्ट आदेश दिए गए हैं कि यदि तीर्थ स्थलों के मार्गों पर अवैध अतिक्रमण हुआ है तो उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हटाया जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में प्रति वर्ष करोड़ों तीर्थ यात्री आते हैं। इसलिए तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए सभी तीर्थ स्थलों का मास्टर प्लान बनाया जाएगा। तीर्थ स्थलों के आस पास जनसुविधाएं विकसित करते हुए, यात्रा को ज्यादा सुव्यवस्थित किया जाएगा।

मास्टर प्लान में यह होगें शामिल

मास्टर प्लान में भीड़ नियंत्रण व्यवस्था, धारण क्षमता का विकास, पृथक प्रवेश एवं निकास मार्ग, प्रतीक्षा के लिए अतिरिक्त स्थान, आपातकालीन निकासी व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, प्राथमिक उपचार, सुगठित सूचना एवं मार्गदर्शन प्रणाली, पार्किंग व्यवस्था, पर्याप्त सुरक्षा बलों की तैनाती को शामिल किया जायेगा।

मानव तस्करी से बचाव की छात्रों को दी जानकारी

नई टिहरी : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से मानव तस्करी के विरुद्ध जागरूकता के लिए सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में शिविर आयोजित किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं को मानव तस्करी से बचाव के लिए जानकारी दी। कहा कि जागरुकता से बचा जा सकता है। बुधवार को प्राधिकरण के सचिव आलोक राम त्रिपाठी ने विद्या मंदिर के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को मानव तस्करी को वैश्विक समस्या बताते हुए इसकी विस्तृत रिपोर्ट बताई।

कहा कि इसके लिए सरकार के साथ-साथ आम जन को जागरूक होना चाहिए। उन्होंने बाल श्रम, बाल विवाह, बंधुआ मजदूरी, मानव अंग तस्करी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कानूनी जानकारी दी। जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष ऋषि कुमार, सदस्य मस्त राम

डोभाल ने भी समिति के उद्देश्यों से अवगत कराया। किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य बालकृष्ण भट्ट, अमिता रावत ने बताया कि किशोरों से संबंधित किसी भी प्रकरण के लिए बोर्ड में शिकायत की जा सकती है। रिटेनर अधिवक्ता राजपाल मियां ने साइबर क्राइम, मोटर अधिनियम और प्राधिकरण की कार्यप्रणाली से रूबरू कराया। विद्यालय के प्रधानाचार्य बीडी कुनियाल ने जागरुकता गोष्ठी आयोजित करने पर प्राधिकरण का आभार व्यक्त किया। (एजेंसी)

सेलाकुई के वार्ड पांच में पानी की निकासी नहीं होने पर लोगों का प्रदर्शन

विकासनगर। सेलाकुई के वार्ड नंबर पांच के बोक्सा जनजाति बस्ती के लोगों ने नगर पंचायत और सभासद के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। कहा कि वह नरकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। लोगों के घरों का गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। पानी से उठने वाले दुर्गंध से उनका जीना मुहाल हो रखा है। कहा कि सिंचाई विभाग के गूल भी कूड़े से भरे हुए हैं, जिससे किसानों की फसलें भी बर्बाद हो रही हैं। प्रदर्शनकारी लोगों का कहना है कि नगर पंचायत चुनाव के वक्त सभासद ने सफाई को लेकर बड़े–बड़े वादे किए थे। लेकिन यह दावे अब झूठ साबित हो रहे हैं। स्थिति यह है कि वार्ड नंबर पांच के बोक्सा बस्ती में लोगों का सड़क पर आना–जाना भी मुश्किल हो गया है। लोगों के घरों का गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। जगह–जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। उससे भी दुर्गंध उठ रही है। जिससे लोगों का जीना मुहाल हो गया है। कहा कि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो अगले सप्ताह कार्यालय में जाकर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन करने वालों में अनीता डंगवाल, मोहम्मद मुजाहिद, सलीम, अकरम, सुनीता रुखसाना रूबीना, पूजा आदि शामिल रहे।

सड़क मार्ग क्षतिग्रस्त, राहगीर जोखिम भरे रास्तों से कर रहे आवागमन

उत्तरकाशी। आपदा के एक माह बाद भी आपदा प्रभावित कुपड़ा, कुनसाला एवं तिर्खली गांव के क्षतिग्रस्त सड़क मार्ग के हालात अभी भी नहीं सुधर पाए हैं। बीते एक महीने पूर्व सड़क मार्ग के क्षतिग्रस्त होने से उक्त गांवों के ग्रामीणों को आवागमन के लिए 3 से 4 किलोमीटर की जोखिम भरी पैदल दूरी नापनी पड़ रही है। बीती 28 जून की रात को क्षेत्र में हुई अतिवृष्टि के कारण कुपड़ा, कुनसाला मोटर मार्ग पर स्यानाचट्टी के निकट स्थित मोटर पुल की एप्रोच पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी थी, जिस कारण यह मोटर मार्ग बीते एक महीने से बंद पड़ा है, यहां एक महीना बीत जाने पर भी सकड़ मार्ग को दुरुस्त नही किया गया है। इस मोटर मार्ग के क्षतिग्रस्त होने से क्षेत्र के कुपड़ा, कुनसाला व त्रिखली गांव के ग्रामीणों का यातायात पूरी तरह प्रभावित है। मार्ग के बन्द होने से ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ रहा है। कुपड़ा गांव के पूर्व प्रधान शैलेन्द्र सिंह राणा, प्रविंद्र राणा, भगत सिंह राणा व एलम सिंह का कहना है कि सड़क मार्ग के बन्द होने से यहां ग्रामीणों को मजबूरन उबड़ खाबड़ जोखिम भरे रास्तों से चलना पड़ रहा है, साथ ही यहां लोगों की करीब 10 गाड़ियां भी एक महीने फंसी हुई हैं, जिनमें ज्यादातर कमर्शियल वाहन हैं और इन वाहन मालिकों को भी नुकसान भुगतान पड़ रहा है। इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बंद होने से लोगों को करीब 4 किलोमीटर पैदल चलकर गांव से स्यानाचट्टी या फिर ओजरी डबरकोट तक पहुंचना पड़ रहा है। क्षेत्र के गांव के स्कूली छात्रों को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

कला में आरुषी, यश और संजना रहे अव्वल

ऋषिकेश। नगर पालिका मुनिकीरेती ने स्वच्छता विषय पर कला प्रतियोगिता आयोजित की प्रतियोगिता में नगर के विभिन्न स्कूलों के छात्र छात्राओं ने किया प्रतिभाग ऋषिकेश, संवाददाता। नगर पालिका मुनिकीरेती ने सफाई अपनाओ–बीमारी भगाओ अभियान के तहत कला प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें जूनियर वर्ग में आरुषी, मध्यम वर्ग में यश राजभर और सीनियर वर्ग में संजना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बुधवार को नगर पालिका मुनिकीरेती की ओर से क्षेत्र के विद्यालयों में कला प्रतियोगिता कराई गई। इसमें छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। उन्होंने स्वच्छ हाथ, स्वच्छ घर, स्वच्छ पड़ोस, स्वच्छ शौचालय, स्वच्छ नाले, जल निकाय और स्वच्छ सार्वजनिक स्थल विषयों पर सुंदर चित्रकारी की। जूनियर वर्ग में जीएमपीएस ढालवाला स्कूल की छात्रा आरुषी ने प्रथम, मुस्कान ने द्वितीय, राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय की छात्रा रोशनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मध्यम वर्ग में लाल बहादुर शास्त्री के छात्र यश राजभर ने प्रथम, विद्या निकेतन जूनियर हाईस्कूल की छात्रा अनन्या ने द्वितीय और पूर्णानंद पब्लिक स्कूल के छात्र विहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में पूर्णानंद इंटर कॉलेज की छात्रा संजना ने प्रथम, पूजा ने द्वितीय व करिश्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

साइंस फॉर सोसाइटी देहदान के लिए करेगी जागरूक

हल्द्वानी। साइंस फॉर सोसाइटी (यूनाइटेड) लोगों को देहदान के लिए जागरूक करेगी। बुधवार को सरस मार्केट में आयोजित प्रेसवार्ता में संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि तीन अगस्त को नगर निगम सभागार में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। बताया कि पूर्व में रामनगर में आयोजित कार्यक्रम में 10 महिलाओं समेत 28 लोगों ने मृत्यु उपरांत देहदान करने की शपथ ली थी। सोसाइटी के संयोजक मदन सिंह ने बताया कि देहदान से समाज और मानवता की सेवा होती है। भारतीय समाज में देहदान को लेकर जागरूकता कम होने से भावी चिकित्सकों को मानव शरीर रचना की जानकारी लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

उत्तरकाशी के छह ब्लॉकों में 80 टेबल पर होगी वोटों की गिनती

उत्तरकाशी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्षता के साथ संपन्न कराने के लिए आरक्षित सहित कुल 107 मतगणना सुपरवाइजर एवं 428 मतगणना सहायकों की तैनाती की गई है। यहां मतगणना के लिए भटवाड़ी में 12, चिन्यालीसौड़ में 14, डुंडा में 14, मोरी में 12, नौगांव में 20 तथा पुरोला में 8 टेबल लगाई गई है। जिन वोटों की गिनती की जायेगी। बुधवार को एनआईसी कक्ष में जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने मतगणना कार्मिकों का रेंडमाइजेशन किया। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि रेंडमाइजेशन प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी तरीके से की गई है और इसमें सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया गया है। पूरी चुनावी प्रक्रिया के दौरान सुचिता और पारदर्शिता बनाए

रखने तथा शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतगणना के लिये सभी सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित किए गए हैं। मतगणना जनपद के सभी मतगणना केंद्रों पर 31 जूलाई को होगी और परिणामों की घोषणा भी नियमानुसार समयबद्ध तरीके से की जाएगी। कहा कि मतगणना की प्रत्येक प्रक्रिया में पारदर्शिता, तकनीकी दक्षता और गोपनीय बनाए रखना सवोच्च प्राथमिकता है।

काठगोदाम में बिना अनुमति किया निर्माण ढहाया

हल्द्वानी। काठगोदाम रेलवे स्टेशन चौराहे पर बिना अनुमति निर्माण किए जाने की शिकायत पर मंगलवार को प्रशासन और नगर निगम की टीम ने कार्रवाई की। नगर निगम की छह अनुबंधित दुकानों की पहली मंजिल और निजी भवन की तीसरी मंजिल पर बिना अनुमति किए गए निर्माण को कार्मिक और मशीनों की मदद से ध्वस्त किया गया।

इसके साथ ही आगे से बिना अनुमति निर्माण किए जाने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। शहर में सड़कों पर वाहनों के बढ़ते दबाव को देखते हुए चौड़ीकरण किया जा रहा है। काठगोदाम रेलवे स्टेशन चौराहे पर भी चौड़ीकरण किया गया है। चौड़ीकरण की जद में आ रहे क्षेत्र को चिह्नित कर निजी और नगर निगम की दुकानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निर्धारित सीमा से बाहर कर दिया गया है। सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल चौहान ने बताया कि टूटी दुकानों को ठीक करने की आड़ में निगम की अनुबंधित छह दुकानों के स्वामी और एक निजी प्रतिष्ठान के मालिक ने बिना अनुमति के अतिरिक्त निर्माण कर दिया। निगम की दुकानों की पहली मंजिल पर दुकानें बनाकर छत तक डाल दी गई है। वहीं निजी प्रतिष्ठान के स्वामी ने तीसरी मंजिल पर कमरा और भवन की शो के लिए बिना अनुमति लिए एल्युमीनियम का जाल बनाकर एलिवेशन बना दिया गया। इसके लिए नियमानुसार नगर निगम और प्राधिकरण से कोई अनुमति नहीं ली गई। इसकी शिकायत मिलने पर मंगलवार को प्रशासन और नगर निगम की टीम ने निरीक्षण कर निर्माण कार्य पर रोक लगाकर बिना अनुमति किए निर्माण को ध्वस्त कर दिया। कई घंटे तक चली कार्रवाई के दौरान कार्मिकों और मशीन की मदद से निर्माण ध्वस्त किया गया। इस दौरान जिला विकास प्राधिकरण के सचिव विजय नाथ शुक्ल, नगर आयुक्त ऋचा सिंह के साथ ही प्राधिकरण और निगम के कार्मिक भी मौजूद रहे। 2016 में निगम ने दी थी निर्माण की मंजूरी चौराहे पर मौजूद निगम की सात दुकानों की पहली मंजिल पर निर्माण के लिए निगम ने 2016 में अनुबंध के आधार पर अनुमति दी थी। इसके लिए तय धनराशि भी निगम में दुकानदारों ने जमा की थी। लेकिन अनुबंध के अनुसार केवल एक दुकानदार ने ही निर्धारित छह माह में निर्माण किया। वहीं बाकि के छह दुकानदारों ने नौ साल बाद उसी पत्र के आधार पर निर्माण कर दिया। निगम प्रशासन ने इसे अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन बताकर निर्माण पर रोक लगाई है। भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय लोगों ने किया विरोध कार्रवाई के लिए टीम के पहुंचते ही स्थानीय लोगों के साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध शुरू कर दिया। प्रशासन और निगम की कार्रवाई को एकतरफा बताया गया। मौके पर मौजूद भाजपा के मंडल अध्यक्ष नीरज बिष्ट ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से निर्माण को लेकर मौखिक सहमति दिए जाने के बाद भी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जा रही है। आरोप लगाते हुए कहा कि अन्य जगह चौड़ीकरण के दौरान टूटी दुकानों के दोमंजिले का निर्माण बिना अनुमति किया जा रहा है। वहीं कार्रवाई केवल काठगोदाम में ही की जा रही है। छत पड़ने के बाद पहुंच रही टीम, उठ रहे सवाल काठगोदाम में दुकानों की छत पड़ने के बाद मंगलवार को कार्रवाई कर रही टीम को देखकर लोगों ने प्रशासन और निगम की कार्रवाई पर सवाल उठाए। आपस में चर्चा के दौरान कहा कि जिम्मेदारों को व्यस्त सड़क पर हो रहा निर्माण तक क्यों नहीं दिखा।

झूला पुल से अस्पताल बैंड तक पैदल रास्ते पर काटी झाड़ियां

विकासनगर। जिला प्रशासन की अनदेखी के कारण बुधवार को समाज सेवी रेखा क्षेत्री के नेतृत्व में महिलाओं ने झूला पुल से अस्पताल बैंड तक पैदल रास्ते पर उगी झाड़ियों को काटकर साफ किया। व्यापार मंडल ने महिलाओं के इस काम की सराहना की है। नया बाजार गुतियाखाल से गेट बाजार माटल बस्ती अस्पताल बैंड के आसपास आधा दर्जन स्कूल हैं। जिनमें करीब तीन सौ से अधिक बच्चे रोज शिक्षा ग्रहण जाते हैं। वह झूला पुल से अस्पताल बैंड तक बने पैदल रास्ते से होकर जाते हैं। लेकिन पैदल रास्ते में इन दिनों दोनों ओर बड़ी–बड़ी घास और झाड़ियां उगी हुई हैं। इससे स्कूली बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बाजार के व्यापारी और अन्य खरीदारी करने वाले लोग भी दिन–रात इसी रास्ते से आवागमन करते हैं। लोगों ने कई बार प्रशासन से रास्ते में उगी बड़ी–बड़ी झाड़ियों को काटने की गुहार लगाई, लेकिन किसी ने नहीं सुनी। पीएचसी त्यूणी में में तैनात आशा वर्कर रेखा क्षेत्री ने बुधवार को पहल करते हुए गोरखा समुदाय की चार महिलाओं के साथ 600 मीटर पैदल रास्ते की झाड़ियों को काट कर साफ सफाई की। व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रवीर रावत, किसान यूनियन के पूर्व अध्यक्ष धीरज सिंह राणा, लायक राम शर्मा आदि ने उनकी प्रशंसा करते हुए अन्य लोगों को इनकी प्रेरणा से सीख लेनी की बात कही। इस दौरान रेखा क्षेत्री, बाली मल ठाकुर, सीमा खत्री, कामिनी थापा, पारू थापा आदि महिलाएं शामिल थी।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com